हरिभूमि
रायपुर भूमि

प्रमुख जिले और विशेषज्ञ डाक्टरों की कमी

जिला	स्वीकृत	भर्ती	रिक्त
रायपुर	58	26	32
बिलासपुर	56	27	29
दुर्ग	99	31	68
कबीरधाम	57	8	49
राजनांदगांव	33	3	30

नियमित और संविदा मिलाकर राज्य में केवल 355 विशेषज्ञ डाक्टर 1418 पद खाली

स्वास्थ्य ढांचे में बड़ा असंतुलन, 2330 एमबीबीएस के पीछे सिर्फ 435 पीजी सीटें, इसलिए विशेषज्ञों का संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- दस जिले ऐसे जहां पांच पीजी डाक्टर भी नहीं, सफल नहीं हो रहा संविदा भर्ती का प्रयास

चिकित्सा शिक्षा का बड़ा असंतुलन स्वास्थ्यगत ढांचे को सही नहीं कर पा रहा है। राज्य के 2330 एमबीबीएस के चिकित्सा विशेषज्ञ बनने के लिए मेडिकल कालेजों में केवल 435 सीटें हैं। पर्याप्त संख्या में एमडी-एमएस के डाक्टर तैयार नहीं होने की वजह से राज्य में इनका टोटा खत्म नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में राज्य में चिकित्सा विशेषज्ञों के 1773 पद स्वीकृत हैं, जिसमें से 1418 खाली हैं और महज 355 कार्य कर रहे हैं। राज्य के दूरवर्ती दस जिले ऐसे हैं, जहां एमडी-एमएस डाक्टरों की नियुक्ति की औपचारिकता पूरी की जा रही है, इनकी संख्या पांच से भी कम है। स्वास्थ्य विभाग इनकी कमियां पूरी करने के लिए संविदा आधार पर भर्ती का लगातार प्रयास कर रहा है, मगर विभिन्न समस्याओं की वजह से संकट दूर होने का नाम ही नहीं ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में चिकित्सा ▶▶|शेष पेज 14 पर

नियमित होने का अभाव, निजी में बड़ा पैकेज भी

सूत्रों का कहना है कि शासकीय अस्पतालों में नियमित होने का मौका काफी कम होता है। इसकी वजह से भी चिकित्सा विशेषज्ञ शासकीय सेवा में आने से कतराते हैं। दूसरी ओर निजी सेक्टरों में उनकी योग्यता के आधार पर बड़ा पैकेज आसानी से मिल जाता है। इसके अलावा अन्य राज्यों में सीधी नियमित भर्ती भी उन्हें अपनी ओर आकर्षित करती है। राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में कई बार डाक्टरों द्वारा व्यक्तिगत वजह बताकर नौकरी से इस्तीफा देने की बात सामने आती है।

दो साल की ड्यूटी का बांड तोड़ने वाले कम नहीं

चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पीजी की पढ़ाई करने वाले डाक्टरों को बांड ड्यूटी करनी पड़ती है। इस दौरान उनकी नियुक्ति ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों में भी की जाती है, जहां सर्जरी अथवा स्पेशलिटी सेवाओं की जरूरत नहीं होती। दो साल की इस लंबी अवधि से बचने और अपनी योग्यता का उपयोग नहीं करने का हवाला देकर काफी संख्या में डाक्टर बांड नियम तोड़कर बांड राशि जमा कर देते हैं। हर साल बांड ड्यूटी नहीं करने वाले डाक्टरों की विभागीय तौर पर लंबी सूची जारी की जाती है।

सिविल सोसाइटी दे चुकी सुझाव

चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी दूर करने के लिए पिछले दिनों छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी के संयोजक डा. कुलदीप सोलंकी ने विभिन्न तरह के सुझाव विभागीय अधिकारियों को भेजा था। चिकित्सा महाविद्यालयों में व्यवस्था दुरुस्त कर पीजी की ज्यादा सीटों लाने के साथ डाक्टरों को सम्मानजनक वेतन के साथ नियमित भर्ती का लाभ के साथ पदोन्नति का लाभ देने का तर्क दिया है। इसके अलावा इनकी बांड सेवा कम करने के साथ इसके लिए तय किए गए नियमों को शिथिल करना शामिल था।

खबर संक्षेप

टंकी तोड़ने के विवाद पर हंसिया से जानलेवा हमला

रायपुर। बाइक की टंकी तोड़ने के विवाद को लेकर एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ हंसिया से जानलेवा हमला करने की डीडीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। हांडीपारा, शिवनगर निवासी पेशे से मजदूर हेमंत यादव ने अपने पड़ोसी रवि वर्मा के खिलाफ शिकायत की है। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने पिछले दिनों उसकी बाइक की टंकी तोड़ दी थी। इसकी शिकायत की तो उसने हेमंत के साथ गाली-गलौज कर ईंट से मारने के लिए दौड़ाया। इसके बाद उसने हंसिया से उसकी पसली तथा कंधे पर वार कर घायल कर दिया।

लेन-देन के विवाद पर चाकू से किया हमला

रायपुर। पैसों के लेन-देन के विवाद र स्क्रैप कारोबारी पर दो लोगों ने चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। इकरार खान ने गंज थाने की पुलिस को बताया कि रविवार रात उसके पास हनफी का फोन आया और उसने बताया कि उनके भाई कुर्बान खान को अजहर और फज्जू ने चाकू मारकर घायल कर दिया है। इसके बाद इकरार अपने घायल भाई को उपचार कराने आंबेडकर अस्पताल ले गया। पूछताछ करने पर घायल ने अपने भाई को बताया कि अजहर तथा उसके साथी ने लेन-देन के विवाद पर उसके साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

शराब दुकान में नौकरी का झांसा, दो गिरफ्तार

रायपुर। शराब दुकान में सेल्समैन की नौकरी लगाने के नाम पर साढ़े चार लाख रुपए ठगी करने के आरोप में खम्हारडीह थाने की पुलिस ने दो लड़कों को गिरफ्तार किया है। जांजगीर-चांपा निवासी शिवधन सागर की शिकायत पर पुलिस ने खमतराई, शिवानंद नगर निवासी योगेश साहू, बिरगांव निवासी दिलीप यादव को गिरफ्तार किया है। युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि सोशल मीडिया में वायरल पोस्ट के आधार पर उसने योगेश से संपर्क किया। संपर्क करने पर उसने अपने आपको भर्ती प्रक्रिया से जुड़े होने का झांसा देकर पीड़ित से तीन लाख रुपए लेकर कोरबा शराब दुकान में सेल्समैन का फर्जी नियुक्ति पत्र दिया।

हंगामा, धक्का मुक्की विरोध के बीच खाली कराया गया नकटी गांव में बेजा कब्जा

घर में जलता चूल्हा, इससे पहले तोड़ू दस्ते की दस्तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- ग्रामीणों को नवा रायपुर सेक्टर-30 के ईडब्लूएस मकान में शिफ्ट किया गया

ग्रामीणों के विरोध, सांसद के आश्वासन के बावजूद नकटी गांव के 77 ग्रामीणों के कथित तौर पर अवैध कब्जा किए गए मकानों को सोमवार को जिला, पुलिस तथा नगर निगम प्रशान की टीम ने ढहा दिया। विरोध को देखते हुए एक दिन पूर्व ही गांव में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। तड़के चार बजे एक हजार पुलिस बल की मौजूदगी में जिला प्रशासन के साथ नगर निगम का तोड़ू दस्ता नकटी गांव पहुंचा। सुबह सात बजे तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की गई। बेदखली की कार्रवाई नकटी गांव में विधायक कालोनी बनाने के लिए की गई है। मौके पर ▶▶|शेष पेज 14 पर

प्रशासन की टीम ने घरों से बाहर सामान निकाला

ग्रामीणों द्वारा घरों से सामान नहीं निकालने पर जिला प्रशासन की टीम ने पुलिस की मदद से लोगों के घरों से सामान बाहर निकाला। इसके बाद ग्रामीण खुद अपने घरों से बाहर सामान निकालकर अपने घरों के सामने बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। इस दौरान घर की महिलाएं और बुजुर्ग मकान तोड़े जाने के गम में बिलखते रहे।

दोपहर तक भूख से बिलखते रहे बच्चे

नकटी गांव के प्रभावित परिवार सुबह सोकर अपने घरों से बाहर निकले, तो देखा उनके घरों के बाहर पुलिस तथा जिला प्रशासन की टीम घर खाली कराने पहुंची हुई थी। महिलाएं घर में सुबह की चाय बना पातीं, इसके पहले उन्हें घर खाली करने कहा गया। बड़े बुजुर्गों की बात तो अलग है, बच्चे दोपहर तक भूखे, प्यासे रहे। बच्चे भूख से बिलखते देखे गए।

बेदखली को लेकर ग्रामीणों ने सवाल खड़े किए

गांव के जिन ग्रामीणों के मकान तथा जमीन को अवैध कब्जा करने का आरोप लगाकर बेदखल किया गया है, उन ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर जमीन अवैध थी, तो सालों से चुप क्यों थे, पीएम आवास की मंजूरी फिर किस आधार पर दी गई, वोटर आईडी, बिजली, पानी कैसे मिले, सरकारी सुविधाएं अगर वैध थीं, तो बस्ती अवैध कैसे। अगर बस्ती अवैध थी, तो सरकारी बिजली खंभे क्यों लगे?

प्रभावित परिवारों को नवा रायपुर में किया शिफ्ट

गांव के जिन 77 परिवार के मकानों को ढहाया गया है, उन लोगों को जिला प्रशासन ने नवा रायपुर सेक्टर-30 में ईडब्लूएस मकान आबंटित किया है। प्रावितों को ले जाने बस की व्यवस्था की गई थी। साथ ही सामान ले जाने ट्रक की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन ने शिफ्ट किए गए परिवारों के लिए दोपहर में भोजन की व्यवस्था करने के साथ ही पीने के पानी के लिए टैंकर की व्यवस्था की थी।

जरूरतमंद के साथ नहीं होगा अन्याय, किया जा रहा पुनर्वास

धरसींवा विकासखंड के ग्राम सम्मानपुर (नकटी) में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के बाद जिला प्रशासन द्वारा विस्थापित परिवारों का पुनर्वास किया जा रहा है। पात्र 60 परिवारों का नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित आवासों में सफलतापूर्वक पुनर्वास कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शेष मामलों में केवल बाउंड्रीवाल का निर्माण पाया गया था तथा उन परिवारों का गांव में अपना मकान भी था। निर्धारित मानकों के अनुसार ऐसे मामलों में पुनर्वास के लिए आवास उपलब्ध नहीं ▶▶|शेष पेज 14 पर

जून में 'सूखा', दस साल में नहीं बने ऐसे हालात, फिलहाल बारिश नहीं

- जुलाई की बारिश पर टिकी आस, रेनी सीजन का मुख्य महीना
- रात की तुलना में दिन में ज्यादा नमी, उमस से हो रही परेशानी

जून वर्षा के आंकड़े

शहर	इस बार वर्षा	दस साल में सबसे कम	पुराना रिकॉर्ड वर्ष
रायपुर	40.3	46	वर्ष 2023
बिलासपुर	18.1	84.8	वर्ष 2017
जगदलपुर	136.3	108	वर्ष 2023
अंबिकापुर	42.5	18.4	वर्ष 2015
पेंड्रा	38.7	98.8	वर्ष 2019

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मानसून आगमन की अनिश्चितता और निष्क्रियता की वजह से इस बार जून सूखा-सूखा गुजर गया। मौसम विभाग के आंकड़ों को मानें, तो रायपुर समेत विभिन्न जिलों में इस तरह के हालात दस साल में नहीं बने। जून की निराशा के बाद अब जुलाई में अच्छी बारिश के आस बन रही है, क्योंकि यह रेनी सीजन का मुख्य महीना होता है।

मौसम विभाग के अनुमान के विपरीत चाल चलने वाले मानसून ने इस बार बड़ा धोखा दिया है। वैसे तो जून में आमतौर पर सामान्य से कम बारिश होती है, मगर इस बार सूखे के हालात ने तो पिछले दस साल के रिकार्ड को ध्वस्त कर दिया है। जून के महीने में प्रदेश के कुछ स्टेशनों में दर्ज वर्षा की मात्रा इतनी कम रही कि यह आंकड़ा घंटेभर के भीतर पूरा हो जाता है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के भीतर बारिश की गतिविधि ना के बराबर रही और जशपुर के सन्ना इलाके में सर्वाधिक 5 सेमी. बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा कुछ स्टेशन में आंकड़े दर्ज हुए और बाकी में सूखे के ▶▶|शेष पेज 14 पर

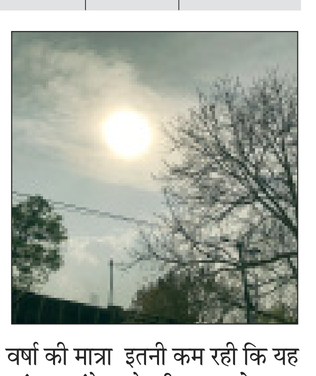

उमसभरा जून

वर्तमान में आने वाली हवा में 75 फीसदी तक नमी है। इसके प्रभाव और दिन में निकलने वाली धूप से चिपचिपी गर्मी से परेशानी दोगुनी हो रही है। दिन की तुलना में रात आरामदायक है और चलने वाली हवा परेशानी को कम करती है। पिछले चौबीस घंटे में राजधानी के मौसम में बड़ा बदलाव नजर नहीं आया। आसमान में हल्के बादल छाए रहे, मगर पड़ने वाली धूप लोगों को हलाकान करती रही। शहर का अधिकतम तापमान 36.3 दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक था।

अभी कौनसा सिस्टम

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अभी सीजनल द्रोणिका पंजाब से हरियाणा और उत्तरप्रदेश होते हुए बिहार तक स्थित है। एक चक्रवाती घेरा उत्तरी तेलंगाना और आसपास के इलाकों में बना हुआ है जो समुद्रतल से 5.8 किमी की ऊंचाई पर है। एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका पूर्व उत्तरप्रदेश से बिहार, अधो हिमालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम होते हुए मणिपुर तक मौजूद है।

मई की खपत पर जून के बिल में लगेगा 11.23 फीसदी शुल्क

एफपीपीएएस शुल्क बढ़ने का झटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को अगले माह बिजली के नए महंगे टैरिफ के लागू होने से पहले जुलाई में आने वाले जून के बिल में एफपीपीएएस शुल्क बढ़ने का तगड़ा झटका लगेगा। इस बार का जो शुल्क तय किया गया है, वह 11.23 फीसदी है। पिछला शुल्क 9.13 फीसदी था। यानी इस बार दो फीसदी ज्यादा शुल्क देना पड़ेगा। इसके बाद अगस्त में जो जुलाई का बिल आएगा, उसमें भी एफपीपीएएस शुल्क लगेगा, लेकिन इसी के साथ नया टैरिफ लागू होने से बिजली और महंगी हो जाएगी। बिजली में हर माह अब एफपीपीएएस शुल्क तय होने के कारण हर माह बिजली के दाम बदल जाते हैं। इस साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था। उसमें 13.64 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया। इसमें जहां 5.43 फीसदी पुराना शुल्क था, वहीं दिसंबर का 8.21 फीसदी शुल्क शामिल था। दिसंबर में एफपीपीएएस शुल्क 16.42 फीसदी तय हुआ था। इसमें से आधा दिसंबर के बिल के साथ लिया गया। इसके बाद बचा आधा 8.21 फीसदी शुल्क जनवरी के बिल में लिया गया। फरवरी में जब जनवरी का बिल आया तो उसमें पुराना 8.21 फीसदी शुल्क और जनवरी का नया शुल्क 4.14 फीसदी भी लिया गया। ऐसे में इस माह ▶▶|शेष पेज 14 पर

शुल्क बढ़ने का कारण ज्यादा बिजली खरीदी

इस बार एफपीपीएएस शुल्क के बढ़ने का कारण पॉवर कंपनी के अधिकारी यह बता रहे हैं कि गर्मी की वजह से इस बार बाहर से ज्यादा बिजली खरीदी गई है। बीते करीब दो माह से तो कोरबा के 210 मेगावाट के दो संयंत्र भी लगातार बंद रहे हैं। इस समय भी एक 210 मेगावाट का संयंत्र बंद है। इसके कारण भी अपना उत्पादन कम हो रहा है। इसी के साथ गर्मी में खपत ज्यादा होने के कारण डिमांड सात हजार मेगावाट तक गई है।

खबर संक्षेप

मंत्री कश्यप ने किया समस्याओं का निराकरण

रायपुर। प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के सहयोग केन्द्र में भाजपा के कार्यकर्ताओं और आमजनों की समस्याएं की निराकरण किया। सहयोग केंद्र में प्रदेश भर से पहुंचे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री कश्यप के समक्ष अपनी मांगें, सुझाव और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएं रखीं। श्री कश्यप ने इस दौरान करीब 42 प्रतिनिधिमण्डलों व 200 से अधिक संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं की बातों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना। कई मामलों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती व सहयोग केन्द्र प्रभारी सच्चिदानन्द उपासने मौजूद थे।

भाजपा को गांव, गरीब, किसान की चिंता नहीं : उधोराम

रायपुर। सम्मानपुर नकटी में सोमवार को तड़के कब्जा हटाने पूरी ताकत से गांववालों के साथ अपराधी जैसा बर्ताव, नकटी गांव का मंजर भयावह था। पुलिस प्रशासन ने डबल फोर्स बुलवाकर जमीन को कब्जा मुक्त कर

विधायक कालोनी के लिए खाली करा दिया। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा के विधायक अनुज शर्मा एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल गांववालों को झूठा आश्वासन देते रहे कि अब आपका घर नहीं तोड़ा जाएगा। ऐसे में ग्रामीण भरोसे में रहे और यही जनप्रतिनिधि कब्जामुक्त कराने भारी बल का प्रयोग कर कब्जा हटाए। भाजपा का कोई जनप्रतिनिधि देखने तक नहीं आया। इससे साबित होता है, ये सभी चाहते थे कि कब्जा हटे और विधायकों को कीमती जमीन आवास के लिए आवंटित हो। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार नवा रायपुर में विधानसभा, सचिवालय, मंत्रालय एवं मुख्यमंत्री, मंत्री समेत तमाम अधिकारी अपना आवास बनाए हैं तो विधायकों को यहीं निवास बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्योंकि ये बेशकीमती जमीन चाहते हैं। भाजपा वालों की प्राथमिकता गांव, गरीब, किसान नहीं, सेठ साहूकार एवं विधायक प्राथमिकता में हैं, नहीं तो इनके आशियाने भरे बरसात में नहीं उजड़ते। ऐसी क्रूरता एवं तानाशाही का विरोध एवं निंदा करते हुए मांग करते हैं कि कहीं भी उचित जगह व्यवस्थापन तथा इनको नुकसान का मुआवजा दिया जाए।

महिला मोर्चा में हेमलता को रायपुर संभाग का जिम्मा

रायपुर। भाजपा के प्रदेश संगठन ने महिला मोर्चा की संभाग प्रभारी और सह प्रभारियों के साथ जिलों की भी प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त की हैं। जहां रायपुर संभाग का जिम्मा हेमलता चंद्राकर को दिया गया है, वहीं सुपमा खलको को सह प्रभारी बनाया गया है। रायपुर शहर का प्रभारी बिथिका विश्वास और सह प्रभारी सुलोचना पांडेय, रायपुर ग्रामीण की प्रभारी प्रीति परगनिया और सह प्रभारी रेखा सोनकर बनाई गई हैं।

नवीन की नई कार्यकारिणी की कवायद अंतिम चरण में, छत्तीसगढ़ को दो पद मिलने की संभावना

एक राष्ट्रीय महामंत्री के साथ एक राष्ट्रीय मंत्री या उपाध्यक्ष का भी पद मिलने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई कार्यकारिणी बनाने की कवायद अब अंतिम चरण में है। कार्यकारिणी का जल्द से जल्द ऐलान होने की संभावना है। जिन राज्यों में अगले साल चुनाव होने वाले हैं, उन राज्यों के नेताओं को कार्यकारिणी में महत्व तो मिलेगा ही, साथ ही अपने राज्य छत्तीसगढ़ को भी कार्यकारिणी में दो पद मिलने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ के किसी एक नेता को महामंत्री और एक को उपाध्यक्ष या फिर राष्ट्रीय मंत्री का पद दिए जाने की संभावना है। प्रदेश के आधा दर्जन से ज्यादा नेताओं के नाम इसको लेकर चल रहे हैं। एक-दो नेताओं को कार्यकारिणी का सदस्य भी बनाया जा सकता है। इसी के साथ इस बार प्रदेश के किसी एक नेता को राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी का भी जिम्मा मिल सकता है। छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद से ही छत्तीसगढ़ को हमेशा भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में कोई न कोई पद मिलता रहा है। छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह से लेकर सभी राष्ट्रीय नेता बहुत अहमियत देते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्षों का भी छत्तीसगढ़ से लगाव रहा है। छत्तीसगढ़ के लिए यह सौभाग्य की बात है कि

भाजपा के इस बार के नए अध्यक्ष नितिन नवीन भी छत्तीसगढ़ के प्रभारी हैं। इसके पहले राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा भी छत्तीसगढ़ के प्रभारी रहे और वे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर छत्तीसगढ़ को महत्व भी मिला। नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद प्रदेश के कई नेताओं को बंगाल, असम के चुनाव में अहम जिम्मेदारी दी गई थी। इसी के साथ राज्यसभा के चुनाव के लिए भी प्रदेश के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई। अब ऐसे नेताओं को उनकी मेहनत का इनाम देने की तैयारी है।

ये नेता रहे हैं पदाधिकारी

सरोज पांडेय राष्ट्रीय महामंत्री रहीं हैं। वह भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहीं हैं। करूणा शुक्ला भी राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहने के साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रही हैं। रामविचार नेताम जहां अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं, वहीं वे राष्ट्रीय महामंत्री भी रहे हैं। इस समय सरोज पांडेय और लता उसेंडी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। एक समय में राष्ट्रीय संगठन में डॉ. रमन सिंह, सरोज पांडेय और लता उसेंडी तीन उपाध्यक्ष थे। 2023 में विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी और डा. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष बने तो उन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दिया। इस समय धरमलाल कौशिक और अजय चंद्राकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य हैं।

दावेदारों में इनके नाम

अब नितिन नवीन की नई कार्यकारिणी में भी प्रदेश के नेताओं को अहमियत मिलेगी। श्री नवीन प्रदेश के हर नेता के बारे में जानते हैं, ऐसे में वे किसी भी नेता को बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। श्री नवीन की टीम में प्रदेश के नए चेहरों को मौका मिल सकता है। प्रदेश के कई नेता श्री नवीन के करीबी हैं। बंगाल चुनाव में जहां एक तरफ प्रदेश के कई नेताओं को कमान दी गई थी, वहीं प्रदेश के सौरभ सिंह और राम गर्ग को नितिन नवीन की टीम में रखा गया था। इस समय जिन नामों की दावेदारों के रूप में चर्चा है, उनमें डिप्टी सीएम विजय शर्मा, राजनांदगांव के सांसद संतोष पांडेय, महासमुंद की सांसद रूप कुमारी चौधरी, राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक गोमती साय, सुशांत सिंह और सौरभ सिंह का नाम प्रमुख है। इनमें से किसी को भी महामंत्री, मंत्री या उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। इसी के साथ यह बात भी सामने आ रही है कि इस बार छत्तीसगढ़ के किसी को राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी भी बनाया जा सकता है।मध्य क्षेत्र के यह जिम्मा छत्तीसगढ़ को मिलने की संभावना है। इसके लिए भाजपा नेताओं की कुंडली भी राष्ट्रीय संगठन के पास पहुंच चुकी है।

जिला अध्यक्षों ने कहा- कांग्रेस की विचारधारा को और सक्रिय रूप से आगे बढ़ाएंगे

जिलाध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन बैज ने कहा- प्रदेश में दिखेगी नई और आक्रामक कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने अभनपुर में आयोजित 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया। 20 से 29 जून तक चले इस शिविर में प्रदेश के सभी 41 नव-नियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्षों को संगठन संचालन से लेकर जनसंपर्क, जनआंदोलन और राजनीतिक रणनीति तक का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया।

अग्रवाल भवन, अभनपुर दस दिनों तक कांग्रेस के संगठनात्मक मंथन का केंद्र बना रहा, जहां जिला अध्यक्षों को केवल संगठन की कार्यप्रणाली ही नहीं, बल्कि जनता से सीधा जुड़ाव और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भी अवगत कराया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 10 दिन का प्रशिक्षण बेहद सफल रहा। उन्होंने कहा, जब सभी जिला अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में लौटेंगे, तो प्रदेश में एक नई, आक्रामक कांग्रेस देखने को मिलेगी। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने जिला अध्यक्षों को राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र दिया।

राष्ट्रीय नेतृत्व ने दिया सीधा मार्गदर्शन

शिविर की खास बात यह रही कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने सीधे जिला अध्यक्षों से संवाद किया। 21 जून को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शिविर में पहुंचे और संगठन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जिला अध्यक्षों से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने, जनता के बीच सक्रिय रहने और गुटबाजी से दूर रहकर काम करने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि बड़े नेताओं के पीछे घूमने के बजाय जनता के बीच जाकर काम करना संगठन की असली ताकत है।

सचिन राव की टीम ने दिया संगठनात्मक प्रशिक्षण

22 से 26 जून तक कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख सचिन राव और उनकी टीम ने विभिन्न सत्रों के माध्यम से जिलाध्यक्षों को संगठन संचालन, जनसंपर्क, नेतृत्व विकास, राजनीतिक रणनीति और फील्ड वर्क की जानकारी दी। 26 जून को प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं से संवाद और आगामी राजनीतिक चुनौतियों पर मार्गदर्शन दिया। 27 जून को संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जिला अध्यक्षों को बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और जवाबदेह नेतृत्व तैयार करने का संदेश दिया। 28 जून को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने शिविर में भाग लिया और महिलाओं की भागीदारी, सामाजिक न्याय और जनआंदोलन में कांग्रेस की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

पवन खेड़ा का समापन संबोधन

शिविर के अंतिम दिन 29 जून को राज्यसभा सांसद और कांग्रेस मीडिया विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन पवन खेड़ा ने जिलाध्यक्षों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी, मनरेगा और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को लेकर लगातार जनता के बीच जाएगी। उन्होंने जिला अध्यक्षों की भूमिका को संगठन और जनता के बीच मजबूत कड़ी बताया।

जिलाध्यक्षों ने कहा

अपने जिलों में जाकर संगठन को मजबूत करेंगे

प्रशिक्षण शिविर से लौटे जिला अध्यक्षों ने इसे बेहद उपयोगी बताया। उन्होंने कहा, यहां उन्हें केवल संगठन चलाने की जानकारी ही नहीं मिली, बल्कि जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। जिलाध्यक्षों ने राहुल गांधी के संदेश को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, अब वे अपने जिलों में जाकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करेंगे और कांग्रेस विचारधारा को और सक्रिय रूप से आगे बढ़ाएंगे। 10 दिन तक चला यह प्रशिक्षण शिविर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संगठनात्मक पुनर्गठन और जमीनी मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि जिला अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में इस प्रशिक्षण को किस तरह लागू करते हैं।

भाजपा बोली

कांग्रेस आरएसएस को लेकर इतिहास का अध्ययन करे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस व कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के बयान पर कहा, कांग्रेस को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलीराम हेडगेवार के विषय में अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए। ऐसा लगता है कि आजकल कांग्रेसियों का अध्ययन, पठन और पाठन पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। इतिहास की सही समझ न होने के कारण वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

- संतोष पांडेय ने दिया डॉ. हेडगेवार और संघ के योगदान का सिलसिलेवार ब्योरा

श्री पाण्डेय ने स्वतंत्रता संग्राम में डॉ. हेडगेवार और संघ के योगदान का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए कांग्रेस को इतिहास का पाठ पढ़ाया और बताया कि डॉ. हेडगेवार ने 1921 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था, जिसके लिए उन्हें 11 महीने का कठोर कारावास भुगतना पड़ा था। उस समय के तत्कालीन जिला कलेक्टर इरविन ने डॉ. हेडगेवार के भाषणों को अत्यंत देशभक्तिपूर्ण और ब्रिटिश हुकूमत के लिए खतरनाक बताते हुए उन पर एक साल के लिए भाषण देने पर प्रतिबंध लगा दिया था। जब डॉ. हेडगेवार जेल से रिहा हुए, तो उनके स्वागत के लिए मोतीलाल नेहरू, हकीम अजमल खान, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी और विट्ठलभाई पटेल जैसे कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेता उपस्थित थे। अनेक महान क्रांतिकारी लगातार डॉ. हेडगेवार के संपर्क में थे और वे खुद अनुशीलन समिति के सक्रिय सदस्य रहे थे। श्री पाण्डेय ने कहा कि वर्ष 1925 में संघ की स्थापना के बाद से ही महान क्रांतिकारी राजगुरु लगातार डॉ. हेडगेवार के संपर्क में रहे और अपनी गिरफ्तारी से पहले तक वे हमेशा उनका मार्गदर्शन लेते रहे। वर्ष 1929-30 में जब महात्मा गांधी ने 'नमक सत्याग्रह' शुरू किया, तो संघ ने तीन दिनों तक बैठक कर इसका पूरा समर्थन करने का निर्णय लिया। इसके बाद 1930 में वर्धा से जो सत्याग्रहियों का काफिला निकला, जिसमें करीब 10 हजार सभी संघ के ही स्वयंसेवक शामिल थे। संघ ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के साथ-साथ देश को मजबूत करने के लिए संगठन का कार्य भी निरंतर जारी रखा। 8 अगस्त 1942 को जब अंग्रेजों भारत छोड़ो का आह्वान किया गया, तब चिमूर में संघ के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर आंदोलन किया।

जेम एवं ज्वेलरी पार्क का हुआ ठेका, अनुबंध के आधार पर मंडी बोर्ड ने मांगी दूसरी जगह जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

सीएसआईडीसी द्वारा पंडरी में मंडी की लगभग 10 एकड़ जमीन पर जेम एवं ज्वेलरी पार्क के विकास का ठेका अशोका ग्रुप को मिला है। कंपनी को सीएसआईडीसी की ओर से लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस जारी किया गया है। इधर अनुबंध के आधार पर मंडी बोर्ड ने शासन के आदेश पर सीएसआईडीसी से वेल्यूवेशन के आधार पर रायपुर में जमीन की मांग की है। उक्त प्रोजेक्ट की जमीन का अधिपत्य अभी मंडी बोर्ड के पास है।

- ज्वाइंट वेंचर अशोका बिल्डकॉन को 112 करोड़ प्रीमियम पर दिया गया

बताया गया है कि मंडी की दस एकड़ जमीन की कीमत 80 करोड़ आंकी गई है। आज के जमीन गाइड लाइन के अनुसार इसकी कीमत 150 करोड़ से अधिक है। वैल्यूवेशन के आधार पर जमीन अन्य जगह मंडी को जमीन उपलब्ध कराए जाने पर ही यहां पर काम शुरू हो पाएगा। ठेका होने के बाद मंडी बोर्ड को सीएसआईडीसी ने सूचना दी है। मंडी बोर्ड ने अनुबंध के शर्तों के अनुसार जमीन अब तक नहीं मिलने पर यहां कब्जा नहीं छोड़ रहा है। अब यह मामला सरकार के पास पहुंच गया है।

जमीन मिलने पर ही पजेशन

पूर्व में मंडी की जमीन नारायण अस्पताल और आपोलो को दिया गया था, उसके बदले में रमन सरकार के समय मंडी को तुलसी बाड़ाडेरा में 50 एकड़ जमीन आबंटन किया गया था। शासन ने जब यहां पर जेम एवं ज्वेलरी पार्क बनाने की घोषणा की थी, तब भी ऐसी शर्त रखी गई थी। अब तक उसका पालन नहीं किए जाने मामले में विवाद की स्थिति आ सकती है। सीएसआईडीसी ने विभाग के सचिव को जमीन के पजेशन के लिए पत्र लिखा है। अब पजेशन उसी स्थिति में दी जाएगी जब दूसरी जमीन आवंटित हो जाएगी।

पीपीपी मॉडल के आधार पर विकास

रायपुर में जेम एंड ज्वेलरी पार्क का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर किया जाना है। यहां पर लगभग 38,922 वर्गमीटर जमीन पर बनने वाले पार्क को लेकर कुल प्रीमियम राशि 112.40 करोड़ रुपए है। संयुक्त उद्यम अशोका बिल्डकॉन लीड पार्टनर है और इसकी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रोजेक्ट की लीज अवधि प्रारंभिक 30 वर्ष, जिसे 90 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। इसकी निर्माण अवधि 5 वर्ष तय की गई है। वार्षिक लीज रेंट प्रीमियम का 2 प्रतिशत, जिसमें हर चौथे वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान है।

औद्योगिक परिसर विकसित किया जाएगा

औद्योगिक परिसर विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। इसमें ज्वेलरी निर्माण, कटिंग-पॉलिशिंग, डिजाइनिंग, परीक्षण, पैकेजिंग और निर्यात से जुड़ी इकाइयों के लिए बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। यह केवल दुकानों तक सीमित नहीं होगा। यहाँ आधुनिक शोरूम, कारीगरों के लिए विशेष वर्कशॉप और शादी-विवाह की खरीदारी के लिए एक 'वेडिंग डेस्टिनेशन शॉपिंग मॉल' जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ भी होंगी।

राम मंदिर में चोरी के मामले में खेड़ा ने कहा- अयोध्या की लूट तो झांकी है, मथुरा-काशी लूटना अभी बाकी है

पीएम मोदी और आरएसएस पर साधा निशाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार, भाजपा और आरएसएस पर हमला करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी को देश को बताना चाहिए कि वे आखिर किससे नहीं डरते। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, हम मोदी से एक लिस्ट चाहते हैं कि आप किससे नहीं डरते। चीन, पाकिस्तान, नेपाल आखिर किससे नहीं डरते, यह देश को बताइए, तभी आपसे उम्मीद करेंगे। उन्होंने मोदी, सरकार और आरएसएस को कायर कहा।

राम मंदिर में चोरी मामले में खेड़ा ने कहा, अयोध्या की लूट तो झांकी है, मथुरा काशी लूटना बाकी है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि भाजपा जिस चीन को लाल आंख दिखाने की बात कहकर सत्ता में आई थी, आज उसी चीन का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, चीन खुलकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का समर्थन कर रहा है और केंद्र सरकार की विदेश नीति पूरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर विवाद खड़ा कर रही है, ताकि जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाया जा सके।

आरएसएस पर साधा निशाना

पवन खेड़ा ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान का जिक्र करते हुए कहा, ऐसे बयान समाज में तनाव पैदा करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि बुलडोजर की कार्रवाई की बात होती है, तो क्या वही कार्रवाई सभी पर समान रूप से लागू होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक भावनाओं का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या मोहन भागवत और पीएमओ के घर पर बुलडोजर चलेगा?

महंगाई और विदेश दौरों पर सवाल

खेड़ा ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, सरकार को आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ को कम करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के लगातार विदेश दौरों पर भी सवाल उठाते हुए कहा, इन यात्राओं से देश के हित में ठोस परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं।

मीडिया की भूमिका पर टिप्पणी

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, छत्तीसगढ़ का मीडिया निष्पक्ष माना जाता है। राष्ट्रीय मीडिया को भी निष्पक्ष पत्रकारिता से सीख लेनी चाहिए। मीडिया का दायित्व सत्ता से सवाल पूछना और जनता के मुद्दों को प्रमुखता देना है।

ग्राम नकटी में गरीबों के आशियाने पर बुलडोजर चलाए जाने का कांग्रेस ने किया विरोध

गरीबों का मकान तोड़ने के बजाय दूसरी जगह विधायकों का आवास बनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने नकटी गांव में गरीब जनता के घरों को तोड़ने का विरोध करते हुए कहा, भाजपा सरकार ने 50 वर्षों से नकटी गांव में रह रहे गरीबों के घर को तोड़कर अपने तानाशाही चरित्र को प्रदर्शित किया है। विधायकों का आवास बनाने के लिए अन्य सरकारी जमीनों का उपयोग करना था, लेकिन नकटी गांव की जनता के प्रति भाजपा की दुर्भावना सामने आई है।

उन्होंने कहा, नकटी गांव की जनता के घरों को अवैध बताने वाली भाजपा सरकार जवाब दे, जब वह जमीन अवैध थी, वहां प्रधानमंत्री आवास कैसे बन गया। नकटी में निवास कर रहे लोगों का राशन कार्ड, आधार कार्ड, उनके घरों पर बिजली कैसे पहुंच गई। नकटी गांव के नागरिकों से बिना चर्चा किये आधी रात को उनके घरों पर बुलडोजर चलाया गया बारिश के मौसम में गरीबों को घर से बेघर किया गया यह अन्याय है कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। भाजपा सरकार नकटी गांव में विधायकों का घर बनाने के लिए गरीबों को घर से बेघर कर रही है। ये गरीबो परिवारों के साथ अन्याय है।

आधी रात पुलिस भेजकर गरीबों को डरा रहे

उन्होंने कहा, ये भाजपा को आखिर रोजी मजदूरी, ठेला, खोमचा में कार्य करने वाले गरीबों से इतनी नफरत क्यों है? भाजपा सरकार बनने के पहले दिन से गरीबों का घर दुकान असुरक्षित है। पूरे प्रदेश में गरीबो को टारगेट कर उनके खिलाफ दमनकारी कार्यवाही की जा रही है। आधी रात को पुलिस भेजकर गरीबों को डराया क्यों जा रहा है? कांग्रेस मांग करती है नकटी गांव में गरीबो का घर उजाड़ना बंद किया जाये।

आज गरीबों का घर टूटा, कल भाजपा का अहंकार टूटेगा

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने नकटी गांव में वर्षों से रह रहे गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा, भाजपा सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसके लिए गरीबों का जीवन, उनके बच्चों का भविष्य और उनकी आजीविका कोई मायने नहीं रखती। उन्होंने कहा कि मकान टूटने के बाद पीड़ित परिवार गहरे दुख और आक्रोश में हैं। ग्रामीणों का कहना है, /"आज हमारा घर टूटा है, लेकिन कल जनता भाजपा का घमंड भी टूटेगा और भाजपा सत्ता से बेदखल होगी।

प्रेम, सेवा और संस्कार से समाज में समरसता का होगा विकास : असंग देव

खबर संक्षेप

गरीबों के घरों पर बुलडोज़र चलाना सत्ता का अहंकार

धरसींवा। भरी बरसात में धरसींवा विधानसभा के सम्मानपुर (नकटी) गांव में गरीबों के आशियाने पर बुलडोजर चलकर उजाड़ने की कार्रवाई की पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे सत्ता के अहंकार में की गई कार्रवाई कहा और गरीबों के पुनर्वास के लिए फौरन इंतजाम करने की मांग की है तथा इस मामले में उग्र कदम उठाने की चेतावनी दी है। कड़कड़ाती धूप और आने वाली भारी बारिश के बीच, सालों के तिनके-तिनके से जोड़े गए गरीबों के आशियाने पल भर में मलबे के ढेर में तब्दील कर दिए गए। प्रशासन की इस बेरहम कार्रवाई ने दर्जनों परिवारों को उनके अपने ही आंगन से बेदखल कर खुले आसमान के नीचे लाकर खड़ा कर दिया है। इस दिल दहला देने वाली घटना की खबर मिलते ही पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा तुरंत प्रभावित ग्रामीणों के बीच पहुंचीं। मलबे के बीच बैठी रोती-बिलखती महिलाओं और बेबस बुजुर्गों को गले लगाकर उन्होंने उनकी पीड़ा सुनी और इस पूरी कार्रवाई को भाजपा सरकार की घोर संवेदनहीनता का जीवंत प्रमाण बताया।

संत कबीर जयंती पर प्रसाद का वितरण

कूंरा। नगरपंचायत कूंरा में श्री सतगुरु कबीर पंथ साहेब मुनि जी का प्राकट्य , जन्म दिवस को बड़े ही धूम धाम के साथ मनाया गया । इस अवसर पर नगर के चंडी मंदिर परिसर पर कबीर पंथ से जुड़े लोग बड़े संख्या में अपनी उपस्थिति देकर कबीर पंथ जी का पूजा अर्चना पश्चात भव्य रूप में कबीर साहेब जी के नाम से हलवा , पूड़ी , केला का प्रसाद वितरण किया गया जो कि देर रात तक प्रसादी का कार्यक्रम चलता रहा । इस मौके कबीर साहेब मुनि भक्त सुखदास मानिकपुरी , पार्षद गायत्री योगेश साहू , ढालेंद्र वर्मा , तोषुलाल साहू , सुकलाल साहू , राजीवलोचन साहू , ललिता वस्त्राकारभीषममणि वस्त्राकार , रश्मि वस्त्राकार , बलदाऊ साहू सहित नगर के लोग बड़ी संख्या में शामिल रहे ।

ध्वजारोहण के साथ खोरपा में सहकारिता सप्ताह शुरू

अभनपुर। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत ग्रामीण सेवा सहकारी समिति खोरपा में ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समिति के कर्मचारियों एवं उपस्थित ग्रामीणों को सहकार से समृद्धि की थीम पर सहकारिता को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। प्राधिकृत अध्यक्ष छबि साहू ने बताया कि सहकारिता सप्ताह के दौरान सहकारिता जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उत्कृष्ट सहकारी संस्थाओं एवं सहकारिता से जुड़े व्यक्तियों के सम्मान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर प्राधिकृत अध्यक्ष छबि साहू, चम्मन ध्रुव, राजेंद्र साहू, रवि वर्मा, विकास यादव, संतोष साहू, शब्बीर खान, मंगलू साहू, रिखी साहू, रामानंद साहू, अरुण धीवर, मिथलेश साहू, दुष्यंत पटेल, नारायण देवांगन, बिसाहू धीवर सहित समिति के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

महोत्सव

कबीर जयंती महोत्सव में कर्नाटक के राज्यपाल, शामिल हुए सीएम साय और विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजिम/सोनपैरी

सोमवार को सोनपैरी कबीर आश्रम में संत कबीर जी के जयंती महोत्सव में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, सीएम विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, मंत्री मंडल के वरिष्ठ मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व सांसद राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, प्रदेश भाजपा कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, गरियाबंद जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष डॉ. श्वेता शर्मा, नवापारा नगर पालिका के अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू पहुंचे।

इन अतिथियों का स्वागत आश्रम प्रभारी देवकर साहेब ने बुके भेंट कर बहुत सम्मान के साथ किया। आश्रम पहुंचते ही अतिथियों द्वारा पांच पौधे रोपे गए जिसमें श्री गहलोत ने टीशू ,सीएम विष्णुदेव ने नारियल एवं डॉ. रमन सिंह तथा संत असंग देव ने आम के पौधे रोपे जबकि तोखन साहू ने पारीजात का पौधा रोपा। मंच पर पहुंचते ही सभी अतिथियो ने राष्ट्रीय संत असंगदेव को पुष्पहार पहनाएं एवं उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियो ने अतिथियो का सम्मान बुके भेंट कर किया। इस अवसर पर कबीर जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

प्रेम करने से जीवन में सुख, शांति और संतोष अपने आप आ जाते हैं

भगवान श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए संत जी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने पिता की आज्ञा और माता की इच्छा का सम्मान करते हुए बिना किसी विरोध के वनवास स्वीकार किया। यही आदर्श संतान का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस संसार में कर्म ही प्रधान हैं। कोई व्यक्ति किसी को सुख या दुख नहीं देता, बल्कि हर व्यक्ति अपने कर्मों का फल स्वयं प्राप्त करता है। यदि मनुष्य मर्यादा में रहकर जीवन जीता है तो सफलता निश्चित होती है, लेकिन मर्यादा का उल्लंघन अंततः नुकसान का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि जो बेटे, बेटियां, बहुएं और परिवार के सदस्य अपने माता-पिता तथा बड़ों का सम्मान करते हैं, उन पर पूरी सृष्टि का आशीर्वाद बना रहता है। वर्तमान समय में बदलती परंपराओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आज लोग बड़ों के चरण स्पर्श करने में भी संकोच करने लगे हैं। केवल औपचारिकता निभाने के लिए घुटनों या पैरों को हल्का-सा छू लेना भारतीय संस्कृति नहीं है। बड़ों के प्रति सच्चा सम्मान श्रद्धा और विनम्रता से प्रकट होना चाहिए। संत असंगदेव ने विशेष रूप से बेटियों को संबोधित करते हुए कहा कि जो बेटियां अपने माता-पिता की प्रतिष्ठा और सम्मान का जीवनभर ध्यान रखती हैं, वे स्वयं भी सदैव सुखी और सम्मानित जीवन जीती हैं।

जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है प्रेम

मुख्य मंच से राष्ट्रसंत असंगदेव ने प्रेम, सेवा, संस्कार, मर्यादा और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हुए कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म, अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब-तब ईश्वर किसी न किसी महापुरुष के रूप में मानवता के मार्गदर्शन के लिए अवतरित होते हैं। भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, महावीर स्वामी, भगवान बुद्ध से लेकर संत कबीर तक सभी महापुरुषों ने समाज से अन्याय, अंधविश्वास और कुरीतियों को दूर कर सत्य, प्रेम और धर्म का मार्ग दिखाया। विशाल टिनशेड पंडाल में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बीच संत असंग साहेब का ओजस्वी प्रवचन बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। उनके सहज, सरल और प्रेरक उदाहरणों पर श्रद्धालु भावविभोर होने के साथ-साथ मुस्कुराते और ठहाके भी लगाते रहे। संत असंगदेव ने कहा कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम है। जो व्यक्ति प्रेम करना सीख जाता है, उसके जीवन में सुख, शांति और संतोष अपने आप आ जाते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि अपनी माता को केवल मां ही नहीं बल्कि सहेली और पिता को अपना सबसे अच्छा मित्र बनाइए। माता-पिता जीवन के सबसे बड़े मार्गदर्शक होते हैं, वे बच्चों को संस्कार, ज्ञान और सही जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। बच्चों को भी उनकी बातों को सहजता से स्वीकार करना चाहिए ताकि माता-पिता को एक ही बात बार-बार न दोहरानी पड़े।

कबीर आश्रम सेवा, समता का केंद्र : गहलोत

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने समरसता, मानवता व प्रेम का संदेश दिया। कहा कि 2006 में स्थापित सोनपैरी का यह कबीर आश्रम सेवा, समता का केंद्र बन गया है। गौ सेवा, पर्यावरण, सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय चेतना आने वाली पीढ़ियो का मार्गदर्शन कर चरित्र निर्माण की भूमिका निभाएगी। संत असंगदेव, सत्य, सेवा और सदभाव के साथ सारे देश में समरसता का वातावरण बना रहे है यह काबिले तारीफ है।

साय सरकार कर रही है बेहतरीन काम : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि संत कबीर जी 1 हजार साल पहले से समाज सुधार की दिशा में काम किए। आज भी कबीर की कही गई वाणी प्रासंगिक है। डॉ. रमन सिंह ने सीएम विष्णुदेव साय की तारीफ किया। कहा कि 15 वर्षो तक मुझे छत्तीसगढ़ का सेवा करने का मौका मिला यह आप लोगो का प्रेम और आशीर्वाद का परिणाम था।

छत्तीसगढ़ को मिल रहा है कबीर साहेब का आशीर्वाद : सीएम साय

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि कबीर साहेब का आशीर्वाद छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। यहां के एक जिले का नाम कबीरधाम रखा गया है। श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी को पूरा करने का प्रयास हमारी सरकार कर रही है। गरीबो के लिए 18 लाख आवास स्वीकृत किए। 10 लाख आवास बनकर तैयार हो गए है। छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य के रूप में खड़ा करने का काम कर रहे है। देश के गृह मंत्री और जवानो के प्रयास से नक्सलियो का सफाया हुआ। अब पुनर्वास नीति के तहत 15 हजार आवास वहां बनाए जा रहे है। 6 हजार आवास बन चुके है। सीएम श्री साय ने बताया कि 70 लाख महिलाओं को हर माह 1 हजार रूपए की राशि दी जाती है। राज्य में धर्म,कर्म को बढ़ाने के लिए यह सरकार चिंता कर रही है। रामलला दर्शन योजना चला रहे है जिसमें अभी तक 59 हजार श्रद्धालुओं ने अयोध्या जाकर दर्शन कर चुके है। कार्यक्रम का संचालन सोनपैरी आश्रम के प्रभारी देवकर साहेब ने किया। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष रामप्रताप सिंग, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, राजेश साहू, संतोष शुक्ला, जिला भाजपा अध्यक्ष श्याम नारंग, सुरेंद्र पाटनी, सोनपैरी के सरपंच अन्नपूर्णा-गणेश साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन एवं साधु संत मौजूद थे।

नकटी में गरीबों के घरों को उजड़ना अमानवीय हरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धरसींवा/कूंरा/सिलयारी/आरंग

नकटी गांव में गरीब एवं श्रमिक परिवारों के मकानों को तोड़े जाने की घटना को लेकर कांग्रेस नेताओं ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा साझा की तथा भाजपा सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली की कड़ी निंदा की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिन परिवारों ने वर्षों की मेहनत से अपने सिर पर छत बनाई, उनके आशियाने उजाड़ देना किसी भी संवेदनशील सरकार के लिए शर्मनाक है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भावेश बघेल और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धरसींवा के अध्यक्ष आशीष वर्मा ने कहा कि नकटी गांव के गरीब परिवारों के साथ जो हुआ है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। सरकार को तत्काल प्रभावित परिवारों के सम्मानजनक पुनर्वास, उचित मुआवजा तथा सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करनी चाहिए। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष रायपुर ग्रामीण उद्यो वर्मा, मंडल अध्यक्ष रंजीत गायकवाड़, जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के उपाध्यक्ष जयंत साहू, जनपद सदस्य बरखा साहू, गावेश साहू, कमल साहू, भागवत लहरी, मनहरण साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुनर्वास पूर्व घरों को उजाड़ना निंदनीय : डा. डहरिया

रायपुर तहसील क्षेत्र के तहत मंदिरहसौद के समीपस्थ नकटी गांव में 29 जून को, मानसून और बरसात के बीच विधायक कॉलोनी निर्माण के लिए वर्षों से बसे ग्रामीणों के मकानों पर चलाए जा रहे बुलडोजर अभियान को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. शिवकुमार डहरिया ने इस कार्रवाई को गरीब, दलित और सतनामी व ओबीसी समाज के खिलाफ अन्यायपूर्ण एवं अमानवीय बताया है। डॉ. डहरिया ने कहा कि बरसात के मौसम में लोगों के सिर से छत छीन लेना किसी भी संवेदनशील सरकार के लिए उचित नहीं माना जा सकता। जब मानसून शुरू हो चुका है और परिवारों को सबसे अधिक सुरक्षित आश्रय की आवश्यकता होती है, ऐसे समय में बिना समुचित पुनर्वास के मकानों पर बुलडोजर चलाना मानवीय संवेदनाओं के विपरीत है। उन्होंने कहा कि महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग अब खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर हो रहे हैं।

सृजन अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष खेड़ा का सम्मान...

अभनपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत नव नियुक्त जिला अध्यक्षों का चंडी मोड़ स्थित अग्रवाल भवन मे आयोजित 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता धनेन्द्र साहू के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन खेड़ा एवं जिलाध्यक्षो व अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ व मोमेंटो, गमछा भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रदेश सचिव प्रवीण साहू,जिला सदस्य यशवंत साहू, भोला सोनवानी, गिरधारी साहू, उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी, डोमेन्द्र साहू, नीलकमल गिलहरे, बिरेन्द्र सिन्हा, हिम्मत सिंह,श्रीमति गंगा कौर, दीक्षा राठी, निमा निम्बेकर, दिनेश अंबिलकर, सुमित तंबोली सहित वरिष्ठ कांग्रेसी उपस्थित रहे।

सहकारिता से हुई ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सुदृढ़

आरंग। देश में सहकारिता आंदोलन को सुदृढ़ बनाने और किसानों की समृद्धि के उद्देश्य से गठित केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के आज 5 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण हो गए हैं। इस गौरवपूर्ण अवसर पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लखौली के प्राधिकृत अध्यक्ष दिनेश चंद्राकर ने ध्वजारोहण किया। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और सैकड़ों की संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे। मंत्रालय के इस 5 वर्षीय सफर और सहकारिता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र के प्रमुख चेहरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा मंडल मंत्री धनंजय साहू, शक्ति केंद्र संयोजक शिव साहू, सहसंयोजक भरत चंद्राकर, बूथ अध्यक्ष तोरण साहू और स्थानीय सरपंच हीरामन साहू शामिल हुए।

वक्ताओं ने सहकारिता के माध्यम से किसानों को मिल रहे सीधे लाभ और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की।इस अवसर पर त्रिभुवन यादव, बबलू चंद्राकर, भूपेंद्र चंद्राकर, भेख लाल साहू, अंगद साहू, मोहन साहू और बिल्लू दास माहील सहित बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया। शासकीय व विभागीय स्तर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति प्रबंधक सुरेंद्र साहू, हर्ष नवरंगे और कृषि विस्तार अधिकारी सुरेंद्र रंगडाले की भूमिका महत्वपूर्ण रही। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित किसानों ने सहकारिता आंदोलन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कबीर साहेब की शोभायात्रा का साहू संघ ने किया स्वागत

कूंरा। स्वर्गीय श्री मेघराज साहू की प्रेरणा से रविवार को शहर जिला साहू संघ युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुकेश कुमार साहू के नेतृत्व मे तेलघानी नाका चौक, रायपुर में आयोजित कबीर प्रगट्य उत्सव शोभायात्रा का युवा प्रकोष्ठ, शहर जिला साहू संघ रायपुर द्वारा श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर शोभायात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं एवं आमजन के लिए शीतल पेयजल एवं फलों का वितरण किया गया। जिसमे छ ग प्रदेश साहू संघ युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शशिकांत साहू जी, महामंत्री रोबिन साहू जी, हर्ष साहू जी, शहर जिला साहू संघ रायपुर के कार्यकारी अध्यक्ष लीलाधर साहू, महामंत्री कमल नारायण साहू, उत्तर विधानसभा प्रभारी घनश्याम साहू, सह सचिव छोटू साहू, वरिष्ठ समाज सेवक नारायण साहू, सोनू साहू, गोकुल साहू, भागवत साहू, रामनगर परिक्षेत्र अध्यक्ष खेमलाल साहू, महिला प्रकोष्ठ संयोजिका डॉ तृष्णा साहू, युवा प्रकोष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष पुर्वेश साहू, महासचिव अनुराग साहू, सचिव ओमप्रकाश साहू, हेमंत साहू, नोमन साहू, लोकेश साहू, लक्ष्मी नारायण साहू,अभिषेक साहू, हिमांशु साहू, सूरज साहू, रजत साहू, दिपक साहू , महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारी श्रीमती सुधा साहू, श्रीमती गायत्री साहू एवं सामाजिक बंधु शामिल थे। सद्गुरु कबीर साहेब के आदर्शों—प्रेम, समानता और मानव सेवा—को आत्मसात करते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

शीलता जुड़वास सम्मेलन 2 को

अभनपुर। ग्राम खट्टी मे एक दिवसीय माता पहुंचनी शीलता जुड़वास सम्मेलन का आयोजन 2 जुलाई गुरूवार को रखा गया है। कार्यक्रम मे अतिथि विधायक इन्द्रकुमार साहू,पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू,राज भाषा आयोग अध्यक्ष प्रभात मिश्र सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होगे। डोमार सिन्हा ने बताया कि जुड़वास सम्मेलन मे दिनभर विविध जस भजन जगराता झांकी की प्रस्तुति होगी।

कबीर जयंती पर निकाली शोभायात्रा, किया भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तरपोंगी

समीपस्थ ग्राम खैरखूंट में कबीर पंथ समाज, अनुराग नवयुवक मित्र मंडल एवं आमीन माता महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में संत कबीर दास जी का 629वां प्रकट उत्सव (जयंती) बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कबीर साहब के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर आमीन माता महिला मंडल द्वारा कबीर साहब के बताए मार्ग पर चलने और जीवन को सार्थक बनाने का संदेश दिया गया। साथ ही महिलाओं ने कबीर साखी और भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के समापन पर सद्गुरु भंडारा और महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस भव्य आयोजन में क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेन्द्र वर्मा, सरपंच यशोदा गुनूराम साहू, सुंगेरा सरपंच तारणदास साहू, उप सरपंच शिव सेन, सगुनी उप सरपंच ज्ञानदास मानिकपुरी और खैरखूंट सोसायटी प्रबंधक श्रीचंद निर्मलकर विशेष रूप से शामिल हुए। इसके साथ ही पूर्व जनपद रतनचंद निषाद, फेरहा राम साहू, संतकुमार साहू, कुशल साहू, धनसिंग साहू, संतोष साहू, शिवचरण साहू, तीरीथ साहू, जयनारायण साहू, लालजी साहू, रामेश्वर साहू, हेमन्त साहू, छत्रकुमार साहू, सूरज साहू, शीतल कुमार साहू, पवन साहू, सुरेन्द्र साहू, वीरेंद्र, भानुप्रताप साहू, बलराम साहू, घनश्याम साहू, हरिश्चन्द्र सेन, राजू वर्मा, खोमलाल निषाद, सत्या, कौशल, अंजू साहू, पूजा साहू, मानकुंवर साहू, उत्तरा साहू एवं हीरा साहू सहित बड़ी संख्या में कबीर पंथ के अनुयायी और समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मिशन उत्कर्ष से शिक्षा को नई दिशा

प्राथमिक शालाओं में सुधरेगा शिक्षा का स्तर संकुल समन्वयक करेंगे औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

रायपुर जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई ऊंचाई देने और बच्चों के सीखने के स्तर (अधिगम परिणाम) में व्यापक सुधार के लिए 'मिशन उत्कर्ष' का आगाज हो चुका है। जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के इस अभिनव प्रयोग और पूर्व में मिले सफल परिणामों को देखते हुए अब इसे विकासखंड स्तर पर पूरी गंभीरता के साथ लागू कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर सतीश नायर के निर्देशानुसार आरंग विकासखंड के स्कूलों में भी इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत धरातल पर कार्य शुरू हो चुका है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) आरंग दिनेश शर्मा ने योजना के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 'मिशन उत्कर्ष' के अंतर्गत अध्ययन-अध्यापन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और 'प्रोजेक्ट दक्षता' को प्रभावी बनाने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। योजना की पारदर्शिता और सतत निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सभी संकुल समन्वयकों को प्रतिमाह शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। ये समन्वयक अपनी विस्तृत निरीक्षण रिपोर्ट विकासखंड स्रोत समन्वयक सुरेंद्र सिंह चंद्रसेन के माध्यम से सीधे विकासखंड शिक्षा कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे। कार्यालय स्तर पर इन रिपोर्टों की गहन समीक्षा की जाएगी, जिसके आधार पर शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। बीईओ दिनेश शर्मा ने डिजिटल निगरानी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि स्कूलों में प्रतिदिन वीएसके (वीएसके) ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति और एमडीएम (मध्यान्ह भोजन) की समय पर प्रविष्टि करना अनिवार्य कर दिया गया है। विभाग का लक्ष्य इस व्यवस्था में 100 प्रतिशत सफलता हासिल करना है, जिसकी उच्च स्तर से सतत निगरानी की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों को स्वीकार करते हुए बीईओ ने कहा कि कुछ स्थानों पर कमजोर नेटवर्क या तकनीकी त्रुटियों के कारण प्रविष्टि में समस्या जरूर आ रही है।

शिक्षाविदों और पालकों में भारी उत्साह

हालांकि, शिक्षकों और संस्था प्रमुखों को घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि विभाग की तकनीकी विशेषज्ञ टीम इस दिशा में लगातार कार्य कर रही है और इन तकनीकी बाधाओं को तेजी से दूर किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था और प्रशासनिक सक्रियता से क्षेत्र के पालकों और शिक्षाविदों में भारी उत्साह है। माना जा रहा है कि 'मिशन उत्कर्ष' की छांव में शासकीय प्राथमिक शालाओं के बच्चे अब शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। इस नई जिम्मेदारी पर संकुल समन्वयक प्रहलाद शर्मा, जितेंद्र शुक्ला, हरीश दीवान, मनोज मुछावर, विजय देवांगन, रोशन चंद्राकर, पोखन साहू, नूतन मांडले, सुदर्शन दास, उगेश साहू, भरथरी वर्मा, राजमोहन श्रीवास्तव, शेख मोहम्मद, प्रफुल्ल मांझी, कुसुमलता कुर्रे, सुनील पटेल, धनंजय साहू, गिरिजा शंकर अग्रवाल आदि ने हर्ष व्यक्त किया है एवं प्रधान पाठकगण नर्सिंग दास मानिकपुरी, लक्ष्मण लहरी, अरविंद वैष्णव, शीला गुरु गोस्वामी, प्रीतम ठाकुर, परमानंदन टंडन, जया वर्मा, अनुसूइया साहू आदि सभी ने इसे नवाचारी पहल बताया।

निधन

जय कुमारी ठाकुर

रायपुर। बजाज कॉलोनी निवासी जय कुमारी ठाकुर (82) का 28 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 29 जून को न्यू राजेंद्र मुक्तिधाम में किया गया। वे शैलेश ठाकुर, सुरेंद्र ठाकुर, मीरा ठाकुर व उर्मिला चौहान की माताजी थीं।

यशवंत कुमार शुक्ला

रायपुर। सुंदर नगर निवासी, सेंट्रल बैंक के सेवानिवृत्त मैनेजर यशवंत कुमार शुक्ला का 29 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 30 जून को दोपहर 12 बजे निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकाली जाएगी। वे डॉ. नंदकुमार शुक्ला के ज्येष्ठ भ्राता तथा नलिन शुक्ला एवं नम्रता तिवारी के पिता थे।

सुरक्षा नियमों की धज्जियां, बिना सुरक्षा उपकरण के ट्रांसफार्मर-पोल पर चढ़कर सुधार कार्य कर रहे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

अपनी जान हथेली पर लेकर घरों को रोशन करने वाले विद्युत कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर ही विभाग और संबंधित ठेकेदार चिंतित नहीं है। शहर हो या फिर ग्रामीण क्षेत्र, कहीं भी विद्युत ट्रांसफार्मर एवं बिजली पोल में आई खराबी को सुधारने का कार्य क्षेत्र के विद्युत शिकायत केंद्रों में सेवा दे रहे स्थाई एवं अस्थाई कर्मचारियों को भेजा जाता है। इन कर्मचारियों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 40 से 50 फीट ऊंचे बिजली पोल पर चढ़ाकर उनसे काम कराया जा रहा है। इस दौरान छोटी सी चूक और कर्मचारियों की जान तक जा सकती है।

हेलमेट-सेफ्टी बेल्ट, ग्लब्स सहित अन्य सुरक्षा उपकरण के बिना कर्मचारी कर रहे बिजली सुधार का कार्य : *माना क्षेत्र में बिजली सुधार कार्य के कुछ विडियो सामने आए हैं। ये सभी विडियो हाल ही के हैं, जिसमें अलग-अलग जगह पर कर्मचारियों की टीम ट्रांसफार्मर एवं बिजली पोल पर चढ़कर बिजली सुधार का कार्य कर रहे हैं। इन सभी विडियो में स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि सुधार कार्य के दौरान कर्मचारियों को उनकी सुरक्षा को लेकर कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। कर्मचारी बिना हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, हाथ ग्लब्स लगाए बिना सुधार कार्य कर रहे हैं।*

बिजली विभाग के अधिकारी-ठेकेदारों की बड़ी लापरवाही उजागर

श्रमिक सुरक्षा नियमों का उल्लंघन : बिना सुरक्षा उपकरण के कर्मचारियों से खतरनाक कार्य कराना, एक प्रकार से श्रमिक सुरक्षा नियमों का उल्लंघन भी है। इसके बावजूद इसे लेकर न ही ठेकेदार गंभीर है, और न ही विभाग द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है।

इन जगहों पर चल रहा था सुधार कार्य : जिन तीन जगहों पर ट्रांसफार्मर एवं बिजली पोल सुधार कार्य चल रहे थे, उनमें माना कैम्प के सिविल अस्पताल, पीटीएस चौक और मछली मार्केट के आसपास का इलाका है। हालांकि इस तरह से बिजली सुधार के कार्य रायपुर शहर में भी कई जगह देखने को मिलते हैं।

बिजली की दरें बढ़ी, पर कर्मचारियों की सुरक्षा रामभरोसे : *बिजली की दरें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे विद्युत विभाग का खजाना से लेकर संबंधित ठेकेदारों को भी फायदा हो रहा है, लेकिन जान हथेली पर रखकर ट्रांसफार्मर एवं बिजली पोल पर चढ़कर सुधार कार्य करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक उपकरण तक मुहैया नहीं कराए जा रहे हैं।*

ठेकेदार के खिलाफ एक्शन नहीं

बिना सुरक्षा उपकरण के बिजली कर्मचारियों से कार्य कराने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। इसके बाद भी विभाग के अधिकारी इसे नजरअंदाज किए हुए हैं, जिससे कभी भी कहीं भी सुधार कार्य के दौरान बड़ी घटनाएं भी हो सकती हैं।

बिजनेस साइट

विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स ने एक ही दिन में एक साथ 11 ई-विटारा डिलीवर की

रायपुर। विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स (नेक्सा) ने विधानसभा रोड स्थित अपने शोरूम में आयोजित भव्य ई-विटारा मास डिलीवरी इवेंट के दौरान एक ही दिन में 11 ग्राहकों को नई मारुति सुजुकी नेक्सा ई-विटारा की डिलीवरी देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश (आईएएस) रहे। इस अवसर पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी, बैंकिंग पार्टनर्स, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे। शाखा प्रबंधक के स्वागत उद्बोधन के बाद टेरिटरी सेल्स मैनेजर श्रेय और एरिया मैनेजर अंकुर शर्मा ने ई-विटारा की अत्याधुनिक तकनीक, प्रीमियम फीचर्स और सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। प्रबंध निदेशक यशवंत अग्रवाल ने कहा कि ग्राहकों का विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और ई-विटारा को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। समारोह में 11 ग्राहकों को चाबियां सौंपने के बाद वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह आयोजन रायपुर में स्वच्छ, स्मार्ट और टिकाऊ परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

स्काई ऑटोमोबाइल्स ने पूरे किए 39 गौरवशाली वर्ष

रायपुर। मध्य भारत की अग्रणी मारुति सुजुकी डीलरशिप स्काई ऑटोमोबाइल्स ने अपने सफल संचालन के 39 वर्ष पूरे होने पर ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त किया। वर्ष 1987 में रायपुर के एक छोटे शोरूम से शुरू हुआ सफर आज छत्तीसगढ़ और ओडिशा में 40 से अधिक आधुनिक टचपॉइंट्स तक पहुंच चुका है। आईएसओ-प्रमाणित यह डीलरशिप नई कारों, प्रीमियम नेक्सा शोरूम और ट्रू वैल्यू के माध्यम से ग्राहकों को संपूर्ण ऑटोमोटिव सेवाएं उपलब्ध करा रही है। कंपनी के डायरेक्टर अनिल अग्रवाल ने कहा कि 39 वर्षों की यह उपलब्धि ग्राहकों के अटूट विश्वास और 'कस्टमर फर्स्ट' नीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कई परिवारों की तीसरी पीढ़ी भी पहली कार के लिए स्काई ऑटोमोबाइल्स पर भरोसा जता रही है। कंपनी अत्याधुनिक सर्विस सेंटर, बॉडी शॉप, इंश्योरेंस सुविधाओं और बिक्री के बाद बेहतर सेवाओं के लिए भी जानी जाती है। भविष्य में स्काई ऑटोमोबाइल्स डिजिटल, पारदर्शी और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के साथ हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है।

JILA SAHAKARI KENDRIYA BANK MYDT. RAIPUR (C.G.)

Form A
Balance Sheet as on 31st March, 2026

PARTICULARS	SCHEDULE	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
CAPITAL & LIABILITIES			
Capital	1	1,52,14,26,905.00	1,46,76,05,913.00
Reserves & Surpluse	2	7,27,34,67,043.56	6,12,62,52,054.28
Deposits	3	69,71,03,99,922.18	68,33,90,70,228.75
Borrowings	4	1,70,20,30,001.00	4,75,30,24,026.00
Other liabilities & Provisions	5	5,79,81,21,085.10	5,78,03,13,024.25
Total :		**86,00,54,44,956.84**	**86,46,62,65,246.28**
ASSETS			
Cash & Balances with RBI	6	47,40,40,739.19	56,84,08,277.35
Bank Balance with Banks and money at call and short notice	7	56,78,35,92,265.82	56,89,33,44,094.78
Investments	8	20,63,51,81,700.00	20,89,14,88,200.00
Advances	9	5,06,50,51,335.77	4,95,94,44,412.31
Fixed Assets	10	10,74,48,862.81	11,90,55,047.39
Other Assets	11	2,94,01,30,053.25	3,03,45,25,214.45
Total :		**86,00,54,44,956.84**	**86,46,62,65,246.28**
Contingent Liabilities Bills for collection	12	55302112.55	1,58,91,968.20

Note: Significant Accounting Policies & Notes on Accounts 17
Schedules referred to above forms an integral part of the Balance Sheet

Form B
Profit & Loss Account for the year ended on 31st March, 2026

PARTICULARS	SCHEDULE	(Current year) Year ended on 31-03-2026" (In Rs.)	(Previous year) Year ended on 31-03-2025" (In Rs.)
I. Income			
Interest earned	13	5,44,54,46,340.03	5,40,98,20,501.31
Other Income	14	17,01,25,333.56	12,11,59,170.44
Total :		**5,61,55,71,673.59**	**5,53,09,79,671.75**
II. Expenditure			
Interest expended	15	2,71,98,01,237.74	2,55,18,85,423.69
Operating expenses	16	76,17,45,103.25	83,24,29,145.99
Provisions & Contingencies		**1,63,04,00,295.00**	**1,64,87,05,865.36**
Total :		**5,11,19,46,635.99**	**5,03,30,20,435.04**
III. Profit / Loss			
Net Profit/Loss (-) for the year		50,36,25,037.60	49,79,59,236.71
Profit/Loss (-) brought forward		1,52,39,83,605.35	1,45,91,09,942.38
Total :		**2,02,76,08,642.95**	**1,95,70,69,179.09**
IV. Appropriations			
Transfer to Statutory reserves		12,44,89,809.18	9,47,96,494.99
Transfer to Other reserves		28,57,14,312.63	26,08,77,896.99
Dividend & Other deduction (Net)		6,03,77,018.00	8,30,14,391.76
Income Tax Refund Year 2011-12, 2018-19 & 2024-25		14,10,83,138.00	56,03,210.00
Balance carried over to balance sheet		**1,69,81,10,641.14**	**1,52,39,83,605.35**

Schedules referred to above forms an integral part of Profit & Loss A/c

Sd
(Neetu Rathore)
Assistant Accountant

Sd
(Pradeep Soni)
Branch Manager

Sd
(Apeksha Vyas)
Chief Executive Officer
Jila Sah.Ken.Bank Mydt. Raipur

Sd
(Niranjan Sinha)
Chairman
Jila Sah.Ken.Bank Mydt. Raipur

Sd
(Abhinesh kashyap)
Vice Chairman
Jila Sah.Ken.Bank Mydt. Raipur

For, Ajay Sindhwani & Co
Chartered Accountants
FRN. 015455C

Date: 19-06-2026
Place: Raipur
UIDN - 26400622XLKXEH4242

Sd
CA. Vinod Keshwani
(Partner)
M.No. 400622

SCHEDULE - 1
CAPITAL

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. For Nationalised Banks - Capital (Fully owned by Central Government)	-	-
II. For Banks incorporated outside India - Capital (i) (The amount brought in by banks by way of Start-up capital as prescribed by RBI should be shown under this head)	-	-
(ii) Amount of deposit kept with the RBI Under section 11(2) of the Banking Regulation Act, 1949	-	-
Total	-	-
III. For Other Banks		
Authorised Capital (Shares of Rs.100 each)	1,00,00,00,000.00	1,00,00,00,000.00
Issued Capital (Shares of Rs.100 each)	1,52,14,26,905.00	1,46,76,05,913.00
Subscribed Capital (Shares of Rs.100 each)	1,52,14,26,905.00	1,46,76,05,913.00
Called-up Capital (Shares of Rs. 100 each)	1,52,14,26,905.00	1,46,76,05,913.00
Less : Calls unpaid	-	-
Add : Forfeited shares	-	-
Total	**1,52,14,26,905.00**	**1,46,76,05,913.00**

SCHEDULE - 2
RESERVES & SURPLUS

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Statutory Reserves		
Opening Balance	3,86,25,47,739.93	3,20,08,73,347.95
Additions during the year	32,63,86,618.36	66,16,74,391.98
Deductions during the year		
Total	**4,18,89,34,358.29**	**3,86,25,47,739.93**
II. Capital Reserves		
Opening Balance	48,96,64,889.87	47,06,64,889.87
Additions during the year	52,84,52,502.00	1,90,00,000.00
Deductions during the year	99,58,450.00	
Total	**1,00,81,58,941.87**	**48,96,64,889.87**
III. Share Premium		
Opening Balance	-	-
Additions during the year	-	-
Deductions during the year	-	-
Total	-	-
IV. Revenue & Other Reserves		
Opening Balance	25,00,55,819.13	24,78,76,730.86
Additions during the year	12,83,23,283.13	86,16,82,857.27
Deductions during the year	1,16,000.00	85,95,03,769.00
Total	**37,82,63,102.26**	**25,00,55,819.13**
V. Balance in Profit and Loss Account		
Opening Balance	1,52,39,83,605.35	1,45,91,09,942.38
Additions during the year	1,17,56,67,894.31	54,42,43,017.52
Deductions during the year	1,00,15,40,858.52	47,93,69,354.55
Total	**1,69,81,10,641.14**	**1,52,39,83,605.35**
Total (I, II, III, IV and V)	**7,27,34,67,043.56**	**6,12,62,52,054.28**

SCHEDULE - 3
DEPOSITS

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
A.I. Demand Deposits		
(i) From Banks		
(ii) From Others	1,05,05,59,374.17	1,06,06,65,303.72
Total (I)	**1,05,05,59,374.17**	**1,06,06,65,303.72**
II. Saving Bank Deposits		
(i) From Banks		
(ii) From Others	57,78,02,96,193.93	57,25,44,25,851.49
Total (II)	**57,78,02,96,193.93**	**57,25,44,25,851.49**
III. Term Deposits (Incl. RD)		
(i) From Banks	-	-
(ii) From Others	10,87,95,44,354.08	10,02,39,79,073.54
Total (III)	**10,87,95,44,354.08**	**10,02,39,79,073.54**
Grand Total (I+II+III)	**69,71,03,99,922.18**	**68,33,90,70,228.75**
B. (i) Deposits of branches in India	69,71,03,99,922.18	68,33,90,70,228.75
(ii) Deposits of branches outside India		
Total	**69,71,03,99,922.18**	**68,33,90,70,228.75**

SCHEDULE - 4
BORROWINGS

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Borrowings in India		
(a) Reserve Bank of India		
(b) Other Banks		
(c) Other Institutions and agencies (Nabard/Apex)	1,70,20,30,001.00	4,75,30,24,026.00
II. Borrowings outside India		
Total : (I and II)	**1,70,20,30,001.00**	**4,75,30,24,026.00**
Secured borrowings included in I and II above-Rs.	-	-

SCHEDULE - 5
OTHER LIABILITIES & PROVISIONS

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Bills Payable		-
II. Inter Office adjustments (net)		-
III. Interest accrued	50,63,28,679.44	49,54,07,404.55
IV. Others (including provisions)	5,29,17,92,405.66	5,28,49,05,619.70
Total	**5,79,81,21,085.10**	**5,78,03,13,024.25**

SCHEDULE - 6
CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Cash in hand (Including foreign currency notes)	47,40,40,739.19	56,84,08,277.35
II. Balance with Reserve Bank of India		
(i) In Current Accounts	-	-
(ii) In Other Accounts	-	-
Total : (I and II)	**47,40,40,739.19**	**56,84,08,277.35**

SCHEDULE - 7
BALANCES WITH BANKS and Money at Call and Short Notice

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. In India		
(i) Balance with Banks		
(a) In Current Accounts	9,44,90,15,287.95	5,06,20,53,514.92
(b) In other Deposit Accounts	47,33,45,76,977.87	51,83,12,90,579.86
(ii) Money at Call and Short Notice	-	-
(a) With Banks	-	-
(b) With other Institutions	-	-
Total (i and ii)	**56,78,35,92,265.82**	**56,89,33,44,094.78**
II. Outside India		
(i) In Current Accounts	-	-
(ii) In other Deposit Accounts	-	-
(iii) Money at Call and Short Notice	-	-
Total (i, ii and iii)	-	-
Grand Total (I and II)	**56,78,35,92,265.82**	**56,89,33,44,094.78**

SCHEDULE - 8
INVESTMENTS

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Investment in India in:		
(i) Government Securities	20,25,78,63,000.00	20,51,41,69,500.00
(ii) Other Approved Secutiries		-
(iii) Shares.	37,73,18,700.00	37,73,18,700.00
(iv) Debentures & Bonds	-	-
(v) Subsidiaries and/or joint ventures	-	-
(vi) Others (to be specified)		
Total	**20,63,51,81,700.00**	**20,89,14,88,200.00**
II. Investment outside India in:		
(i) Government Securities (Including local authorities)	-	-
(ii) Subsidiaries and/or joint ventures abroad	-	-
(iii) Others (to be specified)	-	-
Total		
Grand Total (I and II)	**20,63,51,81,700.00**	**20,89,14,88,200.00**

Note :- The Market Value of Government Securities is Rs 19544942450.00 as on 31/03/2026

SCHEDULE - 9
ADVANCES

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
A. (i) Bills purchased and discounted	-	-
(ii) Cash Credit, Over Draft and loans Repayble on Demand	4,04,14,78,648.45	3,87,19,76,578.26
(iii) Term loans	1,02,35,72,687.32	1,08,74,67,834.05
Total	**5,06,50,51,335.77**	**4,95,94,44,412.31**
B. (i) Secured by tangible assets		
(ii) Covered by Bank/ Government Guarantees	4,37,37,37,507.27	4,25,45,90,590.82
(iii) Unsecured	69,13,13,828.50	70,48,53,821.49
Total	**5,06,50,51,335.77**	**4,95,94,44,412.31**
C.I. Advances in India:		
(i) Priority sectors	4,23,92,63,490.92	4,11,25,96,351.60
(ii) Public sectors		-
(iii) Banks		-
(iv) Others	82,57,87,844.85	84,68,48,060.71
Total	**5,06,50,51,335.77**	**4,95,94,44,412.31**
C.II. Advances Outside India:		
(i) Due from banks	-	-
(ii) Due from Others:	-	-
(a) Bills purchased and discounted	-	-
(b) Syndicated loans	-	-
(c) Others	-	-
Total	-	-
Grand Total (C.I and C.II)	**5,06,50,51,335.77**	**4,95,94,44,412.31**

SCHEDULE - 10
FIXED ASSETS

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Premises		
As cost as on 31st March of the preceeding year	2,79,56,751.16	3,06,71,929.23
Additions during the year		31,89,183.58
Deductions during the year		-
Depreciation to date	25,75,829.97	59,04,361.65
Total	**2,53,80,921.19**	**2,79,56,751.16**
II. Othre Fixed Assets (including furniture and fixtures)		
As cost as on 31st March of the preceeding year	9,10,98,296.23	9,32,15,865.72
Additions during the year	69,90,956.09	3,20,01,021.67
Deductions during the year		
Depreciation to date	1,60,21,310.70	3,41,18,591.16
Total	**8,20,67,941.62**	**9,10,98,296.23**
Total (I and II)	**10,74,48,862.81**	**11,90,55,047.39**

SCHEDULE - 11
OTHER ASSETS

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Inter- office adjustments (Net)	23,80,78,465.40	20,89,74,253.12
II. Interest accrued		
- On Loans & Advances	52,88,14,130.30	60,98,09,577.07
- On Investment	95,68,59,376.00	1,22,52,48,114.89
- On Employees House Loan		-
- On Others		-
III. Tax paid in advance /Tax deducted at source	97,20,48,132.68	65,20,70,976.68
IV. Stationery and stamps	50,95,341.85	44,92,882.72
V. Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	-	-
VI. Others	23,92,34,607.02	33,39,29,409.97
Total	**2,94,01,30,053.25**	**3,03,45,25,214.45**

Note: In case there is any unadjusted balance of loss the same may be shown under this item with appropriate foot-note.

SCHEDULE - 12
CONTINGENT LIABILITIES

PARTICULARS	(Current year) As on 31-03-2026 (In Rs.)	(Previous year) As on 31-03-2025 (In Rs.)
I. Claims against the bank not acknwledged as debt	-	-
II. Liablity for partly paid investments	-	-
III. Liability on account of outstanding forward exchange contracts	-	-
IV. Guarantees given on behalf of constituents	-	-
(a) In India		
(b) Outside India		
V. Acceptances, endorsement and other obligations	-	-
VI. Other items for which the bank is contingently liable (DEAF Payable)	5,48,75,802.55	1,48,32,488.20
VII Outstding Income Tax Demand		
VIII Outstding TDS Demand	4,26,310.00	10,59,480.00
Total	**5,53,02,112.55**	**1,58,91,968.20**

SCHEDULE - 13
INTEREST EARNED

PARTICULARS	(Current year) Year ended on 31-03-2026" (In Rs.)	(Previous year) Year ended on 31-03-2025" (In Rs.)
I. Interest / discount on Advances / Bills	1,16,82,95,576.00	1,02,17,18,057.99
II. Income on investments	4,27,71,50,764.03	4,38,81,02,443.32
III. Interest on balances with RBI and other inter bank fund	-	-
IV. Others	-	-
Total	**5,44,54,46,340.03**	**5,40,98,20,501.31**

SCHEDULE - 14
OTHER INCOME

PARTICULARS	(Current year) Year ended on 31-03-2026" (In Rs.)	(Previous year) Year ended on 31-03-2025" (In Rs.)
I. Commission, exchange & brokerage	12,33,87,010.39	7,23,87,177.60
II. Profit on sale of investments		-
Less : Loss on sale of investments		-
III. Profit on revaluation of investments		-
Less : loss on revaluation of investments"		-
IV. Profit on sale of Land, buildings and other assets		-
Less : Loss on sale of Land, buildings and other assets		-
V. Profit on exchange transactions		-
Less: Loss on exchange transactions		
VI. Income earned by way of dividends etc. from subsidiaries/ companies and / or joint ventures abroad / in India	74,02,974.00	73,27,810.00
VII. Miscellaneous Income (Annexure -1)	3,93,35,349.17	4,14,44,182.84
Total	**17,01,25,333.56**	**12,11,59,170.44**

Note : Under Items II to V loss figures shall be shown in brackets.

SCHEDULE - 15
INTEREST EXPENDED

PARTICULARS	(Current year) Year ended on 31-03-2026" (In Rs.)	(Previous year) Year ended on 31-03-2025" (In Rs.)
I. Interest on deposits	2,11,42,80,781.16	2,08,77,52,305.30
II. Interest on Reserve Bank of India / Inter-bank borrowings		
III. Others (Borrowing)	60,55,20,456.58	46,41,33,118.39
Total	**2,71,98,01,237.74**	**2,55,18,85,423.69**

SCHEDULE - 16
OPERATING EXPENSES

PARTICULARS	(Current year) Year ended on 31-03-2026" (In Rs.)	(Previous year) Year ended on 31-03-2025" (In Rs.)
I. Payments to and provisions for employees	52,29,38,051.98	55,31,17,498.25
II. Rent, taxes and lighting	2,03,51,869.23	2,23,45,087.70
III. Printing and stationery	47,31,067.26	46,83,870.72
IV. Advertisement and publicity	7,52,603.01	3,70,544.40
V. Depreciation on bank's property	1,85,97,140.67	1,97,01,091.19
VI. Director's fees, allowances and expenses	5,500.00	-
VII. Auditor's fees and expenses (including branch auditors)	3,06,932.90	6,79,912.00
VIII. Law charges	11,10,720.00	6,95,275.00
IX. Postages, telegrams, telephones etc.	23,01,357.19	21,92,661.39
X. Repairs and Maintenance	60,46,496.13	64,01,599.25
XI. Insurance	8,67,27,488.05	8,77,11,884.00
XII. Other expenditure (Annexure -2)	9,78,75,876.83	13,45,29,722.09
Total	**76,17,45,103.25**	**83,24,29,145.99**

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,
The Members,
Jila Sahakari Kendriya Bank Mydt. Raipur,
Head Office, Raipur (C.G)

Report on the Audit of Financial Statements
Opinion

We have audited the accompanying financial statements of **"Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Raipur"** which comprise the 'Balance Sheet" as at March 31, 2026, and the "Profit and Loss Account" for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. The returns of 74 branches and head office audited by us are incorporated in these financial statements.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements together with the notes thereon and our comments and observations contained in Long Form Audit Report give the information required by the Banking Regulation Act, 1949 (AACS), Chhattisgarh Co-operative Societies Act 1960, the Chhattisgarh Societies Rules ,1962 and the guidelines issued by the National Bank for Agriculture and Rural Development and guidelines issued by the Reserve Bank of India and Registrar of Co-operative societies, Chhattisgarh in the manner so required for the bank and in conformity with the accounting principles generally accepted in India and give:

a. true and fair view in case of the Balance sheet, of the state of affairs of the Branch as at 31st March, 2026; and
b. true balance of profit/loss in case of Statement of Profit & Loss account for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by ICAI. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Key Audit Matters

Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we provide a separate opinion on these matters. The divergence in the classification of certain loan accounts transferred to the bank pursuant to the merger of the erstwhile Land Development Bank (LDB) in the year 2014 was considered to be a Key Audit Matter in our audit of the financial statements for the year ended 31 March 2026.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for the Standalone Financial Statements

Management of the branch is responsible with respect to the preparation of these standalone financial statements that give true and fair view of the financial position and financial performance of the Bank in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI, and provisions of section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and circulars and guidelines issued by the Reserve Bank of India ('RBI') from time to time and the guidelines issued by the National Bank for Agriculture and Rural Development, the Registrar of Co-operative Societies, Chhattisgarh, the Chhattisgarh Co-operative Societies Act 1960, and the Chhattisgarh Co-operative Societies Rules , 1962. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimate that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error. Management is responsible for any fraud/error left unidentified during the year in our audit procedures including sampling and found out at any later stage.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate theBank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibilities for the audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the branch's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the branch to cease to continue as a going concern.

Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Subject to our comments, observations and qualifications as stated in Long Form Audit Report and as per Annexure "A" and Notes to Accounts enclosed herewith, we report that:

a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit and have found them to be satisfactory.
b) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank subject to our comments wherever made in the audit report;
c) The returns received from the offices and branch of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit.

We further report that:

a. In our opinion, proper books of account as required by the Chhattisgarh Co-operative Societies Act 1960, Chhattisgarh Co-operative Societies rules 1962, the bye laws of the society and the Registrar have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from the branches/ offices;
b. The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this report are in agreement with the books of account and the returns;
c. We have not come across any financial transactions or matters which have any adverse effect on the functioning of the bank and;
d. In our opinion, the Balance Sheet and the Profit and Loss Account comply with the applicable accounting standards, to the extent they are not inconsistent with the accounting policies prescribed by RBI.
e. For the year under audit, the Bank has been awarded "A "classification.

FOR AJAY SINDHWANI & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
Firm Reg. No.: 015455C

Sd
CA. VINOD KESHWANI
(PARTNER)
Membership No.: 400622
UIDN - 26400622XLKXEH4242
Date: 19.06.2026
Place: Raipur

छत्तीसगढ़ के माटीपुत्र, समाज सेवी, मृदुभाषी
भाई महेन्द्र साहू (प्रतिनिधि)
श्रीमती शैल साहू जिला पंचायत रायपुर
को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
श्रीमती शैल साहू
सभापति जिला पंचायत रायपुर
महेन्द्र साहू
समाज सेवी
दास जी साहू
महेन्द्र जेठी
जिला पंचायत प्रतिनिधि
शरद राजपूत
जिला पंचायत प्रतिनिधि
रजत वर्मा
जिला पंचायत प्रतिनिधि
सूर्या निषाद
जिला पंचायत प्रतिनिधि
गौतम साहू
मीडिया प्रभारी
पवन साहू
जिला पंचायत प्रतिनिधि
डॉ चिमन साहू किरना

खबर संक्षेप

शासकीय कर्मचारी बच्चों संग साझा कर रहे खुशियां

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए है, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशिया का उद्देश्य खुशियों को बांटना है। इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे है। इसी क्रम में डाटा एंट्री ऑपरेटर जागेश्वर निषाद ने आंगनबाड़ी केंद्र अरविन्द नगर रायपुर में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

तृतीय लिंग सिक्योरिटी गार्ड भर्ती के लिए शिविर 2 को

रायपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 2 जुलाई को वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। यह इंटरव्यू रायपुर स्थित संबल केंद्र आईडीएसएमटी बिल्डिंग गांधी चौक में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। इस वॉक-इन-इंटरव्यू में अलर्ट एस.जी.एस. प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के कुल 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस इंटरव्यू में प्रदेश के सभी जिलों के तृतीय लिंग समुदाय के पात्र अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों की पदस्थापना छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में की जाएगी।

केनाल रोड नाले की सफाई अब तक नहीं

रायपुर। शहर के राजेंद्रनगर-अमलीडीह क्षेत्र में केनाल रोड से लगे बड़े नाले की सफाई अभी तक नहीं कराई गई है, जिससे इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बारिश होने पर परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जोन-10 अंतर्गत आने वाले इस नाले की नियमित सफाई की नहीं जाती है, जिसके कारण नाला अक्सर जाम रहता है। बारिश के दिनों में नाले की गंदगी सड़क तक आ जाती है, जिससे आवागमन में भी लोगों को परेशानी होती है।

कर्मचारी ने सैनिक कल्याण दफ्तर की कार्यप्रणाली व्यवस्था पर उठाए सवाल

रायपुर। जिला सैनिक कल्याण दफ्तर में पदस्थ चौकीदार सह फर्राश देवेंद्र कुमार गंगबेर ने दफ्तर की कार्यप्रणाली व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने एक पत्रकारवार्ता में आरोप लगाया कि उससे कार्यालयीन जिम्मेदारियों के अलावा सैनिक विश्राम गृह के संचालन से जुड़े अतिरिक्त कार्य भी कराए जा रहे है। उनका कहना है कि उनकी नियुक्ति सैनिक कल्याण कार्यालय के कार्यों के लिए हुई थी, लेकिन वर्तमान में उनसे कार्यालयीन जिम्मेदारियों के अलावा सैनिक विश्राम गृह के लगभग 10 से 12 कमरों की देखरेख, वहां ठहरने वाले अतिथियों की व्यवस्था तथा अन्य अतिरिक्त कार्य भी कराए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि निर्धारित ड्यूटी समय, साप्ताहिक अवकाश और शासकीय नियमों के तहत मिलने वाले अधिकारों से उन्हें लगातार वंचित रखा जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन लाइन नंबर में थोक में अवैध रेत-मुरुम की शिकायतें, हर दिन जांच के लिए रवाना हो रही टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर में जिस तरह से शिकायत एवं समस्याओं का तेज गति से निराकरण किया जा रहा है, उसे देखते हुए अब रेत और मुरुम के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण किए जाने की शिकायतें भी लगातार आने लगी हैं, जिसके कारण खनिज विभाग की टीम लगभग हर दिन इन शिकायतों की जांच के लिए औचक निरीक्षण पर भी निकल रही है। विभागीय सूत्र के अनुसार जिले में पिछले लगभग पखवाड़ाभर में थोक में मुरुम एवं रेत से संबंधित शिकायतें मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से जिला खनिज विभाग दफ्तर में पहुंच चुकी हैं। इन शिकायतों पर टीम भेजकर जांच भी कराई जा रही है। कई शिकायतें इनमें सही भी पाई जा चुकी हैं, जहां अवैध एवं नियम के विरुद्ध मुरुम का खनन के साथ रेत का अवैध रूप से भंडारण किया हुआ था। हालांकि इस जांच के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है, इसलिए इसकी जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की जा रही है।

जांच के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है

रेत का अवैध भंडारण, मुरुम में अवैध खनन की शिकायतें ज्यादा

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में आई शिकायतों में रेत के अवैध भंडारण और मुरुम में अवैध एवं नियम के विरुद्ध खनन की शिकायतें अधिक आई हैं। इन शिकायतों में आरंग, उपरवारा, नवा रायपुर, अभनपुर, खरोरा क्षेत्र से संबंधित ज्यादा आई हैं। इन शिकायतों पर जांच तो की जा रही है, लेकिन जांच में क्या पाया गया, शिकायत सही मिलने पर कार्रवाई की गई या नहीं, इसकी पूरी रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय को भेजी जा रही है।

रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जा रही

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर से मिली शिकायतों पर जांच-कार्रवाई कर रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जा रही है। जांच के दौरान शिकायत सही मिलने पर कार्रवाई भी की जा रही है।
- राजेश मालवे, उप संचालक, खनिज विभाग रायपुर

ग्राम कुटेला में अब तक बड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर आई शिकायत पर अब तक सबसे बड़ी कार्रवाई आरंग क्षेत्र के ग्राम कुटेला में की गई। यहां सरपंच की नाक के नीचे चार लोगों लौह चंद्राकर, दीपक चंद्राकर, हमेंच चंद्राकर एवं रघु चंद्राकर ने मिलकर 80 हाईवा एवं 90 ट्रैक्टर ट्राली रेत का अवैध रूप से भंडारण किया था। इस शिकायत पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए रेत को जब्ती बनाकर ग्राम पंचायत के सुपुर्द कर इसकी निगरानी का जिम्मा सौंपा है। इस रेत का इन दिनों बाजार मूल्य 30 लाख रुपए से भी अधिक है। हालांकि इस मामले में भंडारण कराने वालों के विरुद्ध अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

60 से अधिक शिकायतें : जिले में इन दिनों खनिज सामग्री में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की सबसे अधिक शिकायतें रेत और मुरुम की हुई हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत करने वालों के नाम सुरक्षा की दृष्टि से गोपनीय रखे जा रहे हैं। सूत्र के अनुसार सुशासन तिहार के दौरान जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान भी कई लोगों ने रेत और मुरुम से संबंधित शिकायतें की थीं। इनमें कुछ शिकायतों पर कार्रवाई भी की गई, लेकिन कई शिकायतों पर जांच तक नहीं की गई। इसे देखते हुए कई लोग अब सीधे मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करने लगे हैं। जानकारी मिली है कि पिछले पखवाड़ाभर में 60 से ज्यादा शिकायतें मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में की गई हैं। इन शिकायतों पर जल्द से जल्द जांच करने तथा शिकायत सही मिलने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

सहकारिता सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा

सहकारिता आंदोलन को जनभागीदारी का महाभियान बना रही है साय सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह के शुभारंभ सोमवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता आंदोलन के जनक पं. वामनराव बलिराम लाखे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर की। इस दौरान श्री कश्यप ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि लोगों को साथ लेकर विकास करने की एक मजबूत सोच है। सरकार का मुख्य लक्ष्य सहकारिता को एक जनआंदोलन बनाकर प्रत्येक ग्रामीण परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में सहकारिता क्षेत्र को एक नई और मजबूत पहचान मिली है। पिछले पांच वर्षों में सहकारिता के माध्यम से किसानों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कई ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा, उपाध्यक्ष अभिनेष कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सहकारी संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

- सहकारिता आंदोलन के जनक पं. वामनराव बलिराम लाखे को दी श्रद्धांजलि

ये हुए शामिल

इस मौके पर छग राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी, अपर आयुक्त सहकारी संस्थाएं सावित्री भगत, अपेक्स बैंक के एमडी केएन काण्डे, संयुक्त आयुक्त एसके तिग्गा, उपायुक्त पूर्णमा सिंह, अपेक्स बैंक के अधिकारी अभषेक तिवारी, प्रभाकर यादव, एके लहरे, बैंक अधिकारी एसपी चंद्राकर, डीके व्यास समेत अधिकारी-कर्मचारी, पदाधिकारी, कृषक आदि शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन सुनीता शर्मा ने और आभार बैंक के उपाध्यक्ष अभिनेष कश्यप ने व्यक्त किया।

साथ मिलकर विकास ही सहकारिता का मूलमंत्र

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि साथ मिलकर विकास ही सहकारिता का मूल मंत्र है और इसी भावना से आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव होगा। उन्होंने सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी सेवा, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आग्रह किया, ताकि सहकारी व्यवस्था पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने आगे कहा कि यह सहकारिता सप्ताह केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सहकारिता की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का महाअभियान है। सप्ताहभर चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को सहकारिता से जोड़ने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने का प्रयास किया जाएगा।

गांव-गांव तक सहकारिता को मजबूत कर रही सरकार

राज्य सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता को गांव-गांव तक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्राथमिक कृषि साख समितियों को सशक्त बनाया जा रहा है, किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है तथा सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

दोना पत्तल बनाने के नाम पर एक करोड़ से ज्यादा की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- डीडीनगर थाना में दो दर्जन शिकायत
- अपराध दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी

बलौदाबाजार, पलारी निवासी एक युवक ने डीडीनगर, सरोना में संचालित उड़ान मशीनरी (नुमान्ता केयर प्रा लि) वासु लॉजस्टिकि के संचालक के खिलाफ 2.95 लाख रुपए ठगी करने की शिकायत कराई है। इसके साथ ही राज्य के अन्य जिलों से आए दो दर्जन से ज्यादा युवक युवतियों ने दोना पत्तल मशीन बेचने तथा दोना-पत्तल खरीदी करने के नाम पर ठगी की शिकायत दर्ज कराई है।

पेशे से प्लंबर चंद्राहस वर्मा ने शैलेंद्र रजक के खिलाफ ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया है कि उसे दोना पत्तल बनाने की मशीन लगाने एवं कच्चा माल उपलब्ध कराने के बाद तैयार माल को स्वयं खरीदने का आश्वासन तथा अधिक लाभ कमाने का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया गया।

उसने पुलिस को बताया है कि जनवरी में सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी पहचान शैलेंद्र कुमार से हुई थी। इसके बाद वह उससे मिलने गया, तो उसने झांसा में लेते हुए दोना पत्तल बनाने कच्चा माल प्रदान करने एवं कच्चा माल तैयार होने के बाद माल क्रय कर बाजार में बेचने के बाद मुनाफा देने का झांसा देकर कच्चा माल उपलब्ध कराने के एवज में एडवांस पैसे लेकर ठगी का शिकार बनाया।

दो दर्जन से ज्यादा लोगों के साथ ठगी

पीड़ित पक्ष के वकील विवेक तनवानी के अनुसार उसके पास अलग-अलग जिलों से दो दर्जन लोगों ने अपने साथ ठगी होने की शिकायत की है। थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद शिकायतकर्ताओं की संख्या और बढ़ रही है। वकील के अनुसार जालसाज ने राज्य के साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा, मध्यप्रदेश के बेरोजगार लोगों को ठगी का शिकार बनाया है।

सलाहकार समिति के सदस्य ने सीनियर डीसीएम त्रिवेदी को किया सम्मानित

यात्री सुविधाओं के अच्छे कार्यों के लिए किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेल मंडल के रायपुर स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्य एवं छतीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी को यात्री सुविधाओं के अच्छे कार्यों के लिए सम्मानित किया। रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने वाणिज्य विभाग में रहते हुए निरंतर 2 वर्षो से अधिक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के यात्रियों की सेवा करते हुए रायपुर रेलवे स्टेशन पर हर कार्य में नई सफलता हासिल की। इनका एक ही उद्देश्य रहा कि रायपुर रेलवे स्टेशन पर संपूर्ण सुविधा यात्रियों को निर्बाध मिले। श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी का नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे गोरखपुर में चीफ़ फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर पद पर हुआ है।

इन्हें सम्मानित करने छतीसगढ चेम्बर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार बागडोदिया, विहंगम योग के श्री उमेश अग्रवाल जी अपनी टीम के साथ अग्रसेन महाराज का दुपट्टा, फूलो के गुच्छे, स्मृति चिह्न, शॉल पहनाकर सम्मानित किया। महेंद्र कुमार बागडोदिया ने श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के कार्यकाल की सराहना करते हुए गोरखपुर रहकर भी छतीसगढ की जनता की सेवा के लिए समर्पित रहने की बात कही।

मेटल पार्क में चोरी तीन शातिर गिरफ्तार

रायपुर। रावांभाठा मेटल पार्क स्थित कामाख्या इण्टरप्राइजेस में 12 दिन पूर्व 18 जून को दीवार फांदकर 2.42 लाख रुपए कीमत के कॉपर रोप, ब्रास राउंड, कॉपर प्लेट चोरी कर ले जाने के आरोप में खमतराई पुलिस ने पन्नालाल पवार, आकाश पारधी उर्फ बुटानू, राकेश कुमार पासवान को गिरफ्तार किया है।

राकेश सिंह ने थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि 12 जून को तीन लोग चोरी करने के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने तीनों को घटनास्थल पर मिले सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पहचान कर गिरफ्तार किया है।

9 सूत्रीय मांगों को लेकर पीडीएस संघ 5 जुलाई से हड़ताल पर, खाद्यान्न वितरण होगा प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री, मंत्री, सचिव को लिखा पत्र

बारदाना, मार्जिन राशि सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर की उचित मूल्य दुकानों के संचालक 5 जुलाई से हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। छत्तीसगढ़ पीडीएस संघ के अध्यक्ष नरेश बाफना ने बताया कि प्रदेश के 17 जिलों से अधिक उचित मूल्य दुकानों के संचालकों से हड़ताल पर जाने का समर्थन मिल चुका है। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर संघ ने खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव से लेकर विभागीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से अल्टीमेटम दिया है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो 5 जुलाई से सभी जिलों में उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न वितरण का काम भी नहीं होगा। सभी दुकानों के संचालक-विक्रेता हड़ताल पर रहेंगे।

20 साल से मार्जिन राशि बढ़ी नहीं: संघ अध्यक्ष ने बताया कि सभी राशन दुकानदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इसके कई कारण हैं, जिसमें से एक बड़ा कारण 20 वर्षों से मार्जिन राशि का नहीं बढ़ाया जाना भी है। उन्होंने कहा कि इन 20 वर्षों में महंगाई कहां से कहां पहुंच गई है। हर चीज की कीमत कई गुना बढ़ी है, लेकिन दुकानदारों को खाद्यान्न वितरण में मिलने वाली मार्जिन राशि नहीं के बराबर इन सालों में बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीजीएफएसए प्रति क्विंटल चावल के पीछे 30 रुपए तथा एनफएसए प्रति क्विंटल चावल बिक्री के एवज में 90 रुपए कमीशन दुकानदारों को मिलता है। चावल राज्य का हो या केंद्र का उसे वितरण करने में समान मेहनत लगती है, इसलिए मार्जिन राशि दोनों की सामान रूप से बढ़ाकर प्रति क्विंटल 150-150 रुपए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बारदाना की राशि भी समय पर नहीं दी जा रही है।

शक्कर कमीशन बढ़ाने की मांग

संघ ने शक्कर वितरण में भी कमीशन बढ़ाए जाने की मांग की है। शक्कर में अब तक प्रति राशन कार्ड प्रति किलो के पीछे 4 पैसे मिलता है, जो उचित नहीं है। शक्कर में प्रति क्विंटल के पीछे कम से कम 100 रुपए कमीशन मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि अगस्त 2016 से नवंबर 2016 तक बढ़ी कमीशन की राशि अब तक नहीं मिली है। शक्कर का मूल्य प्रति किलो 17 रुपए है। चिल्हर की समस्या होने के कारण अक्सर हितग्राही और दुकानदार के बीच इसे लेकर विवाद की स्थिति भी होती है, इसलिए शक्कर का मूल्य भी 20 रुपए की जाए, ताकि चिल्हर पैस की समस्या नहीं रहे।

ई-पॉस मशीन के कारण वितरण प्रभावित से मजदूरी समय दोनों का नुकसान

संघ की यह भी मांग है कि ईपॉस मशीन में कभी सर्वर डाउन, लिंक फेल एवं फिंगर काम नहीं करने की समस्या के कारण खाद्यान्न वितरण प्रभावित होता है। इससे घंटों लाइन में खड़ा होने वाले मजदूर वर्ग के लोगों की मजदूरी एवं समय दोनों की बर्बादी होती है। इसकी भी जांच होनी चाहिए। एम2 पद्धति से आबंटन बंद करने, भंडारण में कम वजन चावल से दुकानदारों को नुकसान होता है, इसलिए 1 प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि सहित अन्य मांग शामिल है। संघ की पिछले दिनों रायपुर में बैठक हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से मांगों को लेकर निर्णय लिया है।

3 माह का एक साथ चावल वितरण बंद हो

संघ ने चावल उत्सव के रूप में राशन दुकानों में 3 माह का चावल एक साथ वितरण करने का निर्णय को अनुचित बताया है। संघ का कहना है कि नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा समय भर दुकानों में चावल का भंडारण नहीं किया जाता है, जिसके कारण वितरण में काफी दिक्कत होती है। तीन माह का एक साथ चावल वितरण के कारण दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों को भी दो से तीन गुना मेहनत करनी पड़ती है।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर साय सरकार गंभीर नहीं

- कांग्रेस के समय बने अस्पताल का निर्माण रोका जा रहा, जहां बन गया उसे शुरू नहीं किया- उपाध्याय

रायपुर। पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा, रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत दिखावे की राजनीति करते हैं, इसीलिये स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर वह कभी गंभीर नहीं दिखे। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार के कार्यकाल को ढाई साल से भी अधिक हो गए, लेकिन पश्चिम विधानसभा में हमर अस्पताल, हमर क्लिनीक की बिल्डिंगें खण्डहर हो रही हैं। कांग्रेस सरकार की देन है, इसीलिये दुर्भावना में इनके निर्माण को पूरा होने नहीं दिया जा रहा है और जो निर्माण हो गये हैं, उनका संचालन नहीं होने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर साय सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही है। शहर के 100 बिस्तर अस्पताल गुढ़ियारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोखोपारा, भाठागांव, भनपुरी, लाभांडी, मोवा, राजातालाब, मठपुरैना, चंगोराभाठा, बोरियाकला, आमासिवनी कचना, गोगांव, देवपुरी, रामनगर, हीरापुर, काशीराम नगर, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, अटारी और बिरगांव, 50 बिस्तर आयुर्वेदिक अस्पताल जीई रोड, अभनपुर और नवापारा में 50 बिस्तर अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तोरला, खिलोरा, चंपारण, उपरवारा, खोरपा, मानिकचौरी, परसदा, आरंग सेक्टर-5 में 100 बिस्तर अस्पताल, सामुरदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आरंग व मंदिरहसौद, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र फरफौद, भाजसोज, कुरूदकुटेला, चंदखुरी, रीवा, समोदा, छटेरा, भण्डारपुरी, धरसींवा अंतर्गत माना सिविल अस्पताल, धरसींवा 50 बिस्तर अस्पताल, प्राथ. स्वास्थ्य केन्द्र मांढर, सिलयारी, दोन्देकला, तिल्दा व खरोरा के सामु. स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बंगोली, खैरखुट, फरहदा, मड़ही, जारा-कुम्हारी आदि जगहों की या तो बिल्डिंगें तैयार हैं तो उनका उद्घाटन नहीं हुआ है या फिर कार्य को अधूरा छोड़ दिया गया है।

स्वास्थ्य ढांचे में बड़ा ...

अधिकारियों की कोई कमी नहीं है और यहां स्वीकृत पदों में दस प्रतिशत से भी कम पद खाली हैं। दूसरी ओर सर्जन और विशेषज्ञ डाक्टरों की बात की जाए, तो शासकीय सेक्टर में इनकी उपलब्धता केवल बीस फीसदी है। इनके 80 प्रतिशत संकट खत्म नहीं होने की वजह चिकित्सा महाविद्यालयों में पर्याप्त संख्या में पीजी सीटों का नहीं होना है। निजी और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले 2330 विद्यार्थियों में से महज 5 प्रतिशत यानी 435 लोगों को चिकित्सा विशेषज्ञ बनने का मौका मिल पा रहा है।

घर में जलता चूल्हा...

उपस्थित जिला प्रशासन तथा पुलिस की टीम ने ग्रामीणों को अपने घरों में रखे सामान निकालने के लिए कहा, इससे नाराज ग्रामीण अपने घरों से लाठी डंडे से लैस होकर निकले। ग्रामीणों की पुलिस तथा प्रशासन की टीम के साथ धक्का मुक्की के साथ झड़प हुई। महिलाएं जेसीबी के सामने अपने बच्चों को लेकर बैठ गईं। मौके पर उपस्थित महिला पुलिसकर्मियों की टीम ने काफी मशक्कत कर महिलाओं को जेसीबी के सामने से हटाया।

पेज 11 के शेष ...

तीसरे नोटिस के बाद की गई बेदखली की कार्रवाई : नकटी गांव के 77 परिवारों को जगह खाली करने पिछले वर्ष भी नोटिस जारी किया गया था, तब ग्रामीणों ने विरोध करते हुए करीब दो माह तक धरना प्रदर्शन किया था। इसके बाद ग्रामीणों को एक और नोटिस जारी किया गया।

तीसरा नोटिस गुरुवार को जारी किया गया, जिसकी तामिली दूसरे दिन की गई। तीसरे नोटिस में ग्रामीणों को जगह खाली करने 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया था।

जरूरतमंदों के साथ ...

कराए गए हैं। विधायक अनुज शर्मा ने इस संबंध में कहा कि शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई के दौरान किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सरकार विस्थापित परिवारों की पूरी चिंता कर रही है और उनके समुचित व्यवस्थापन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। पुनर्वास स्थल पर भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, परिवहन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं निरंतर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे विस्थापित परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जून में 'सूखा', दस साल में...

हालात रहे। विशेषज्ञों की मानें, तो जून के महीने में बंगाल की खाड़ी में एक-दो ऐसे सिस्टम तैयार हो जाते हैं, जो यहां वर्षा की स्थिति को ठीक कर देता है। इस बार खाड़ी में कुछ हलचल ही नहीं हुई। यहां थोड़ी बहुत बरसात स्थानीय प्रभाव से हुई। इस बार जून के महीने ने किसानों को बेहद निराश किया है, साथ ही राज्य में 67 फीसदी कमी ने सूखे की चिंता को और बढ़ा दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि जुलाई के महीने में वर्षा की गतिविधि में बढ़ोतरी होगी और संकट के बादल काफी हद तक छंटेंगे।

एफपीपीएएस शुल्क बढ़ने...

भी डबल झटका लगा था। लेकिन मार्च में जब फरवरी का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क 5.91 फीसदी लगा। इसके बाद अप्रैल में मार्च का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क और कम होकर 4.24 फीसदी लगा। मई में जब अप्रैल का बिल आया था इसमें 3.98 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लगा था। जून में जब मई का बिल आया तो इसमें करीब 9.13 फीसदी शुल्क लगा। अब इस शुल्क में और इजाफा हो गया है।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

संत कबीर प्राकट्य स्थल काशी की ....

एजुकेशन अलर्ट

एसएससी एसएसए के लिए आवेदन शुरू, 16 जुलाई तक मौका

रायपुर। कर्मचारी चयन आयोग की ओर से एसएससी एसएसए नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। जो उम्मीदवार इस भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। वे उम्मीदवार एसएससी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। एसएससी एसएसए के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 16 जुलाई, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, परीक्षा का आयोजन अगस्त माह में किया जाएगा।चयनित किए गए उम्मीदवारों को प्रतिमाह 25,500 रुपये से लेकर 81,100 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। लिखित परीक्षा में उम्मीदवारों से अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान आदि विषयों से 200 अंकों के 200 बहुविकल्पीय प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। परीक्षा की अवधि 3 घंटे निर्धारित की गई है। परीक्षा में गलत उत्तर के लिए एक-चौथाई अंक की नेगेटिव मार्किंग भी की जाएगी।

नोट कर लें जरूरी डेट

- ऑनलाइन आवेदन शुरूः 25 जून, 2026
- ऑनलाइन आवेदन करने की लास्ट डेटः 16 जुलाई रात 11 बजे तक
- हार्ड कॉपी भेजने की अंतिम तिथिः 23 जुलाई, 2026
- परीक्षा का आयोजनः अगस्त माह में संभावित

इस तरह घर बैठे कर सकेंगे स्वयं आवेदन

*एसएसए के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। ऐसे में उम्मीदवारों की सहायता के लिए यहां ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के निम्नलिखित स्टेप्स बताए गए हैं। उम्मीदवार इन स्टेप्स को फॉलो करके आवेदन प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट **ssc.gov.in** पर जाकर विजिट करें। अब वेबसाइट होम होमेपज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद मांगी गई सभी डिटेल को ध्यान से दर्ज कर लें। फॉर्म भरने के बाद जरूरी दस्तावेजों की स्कैन कॉपी को अपलोड करें। अंत में फॉर्म सबमिट करने के बाद इसका एक प्रिंट आउट भी अवश्य निकाल लें।*

सिटी इवेंट

रोटरी क्लब ऑफ कॉस्मोपॉलिटन और इनरव्हील क्लब का स्थापना समारोह

रायपुर। रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मोपॉलिटन, इनरव्हील क्लब और कॉस्मो दिवास का भव्य समारोह वीआईपी रोड स्थित एलओडी बैंक्वेट में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में क्लब की नई कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण किया और रोटरी के आदर्श 'सेवा ही सर्वोपरि' के तहत समाजहित में नई ऊर्जा के साथ काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम की शुरुआत में निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन मनोज अग्रवाल ने अपने कार्यकाल के सफल समापन पर सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इसके बाद निवर्तमान सचिव रोटेरियन अमित गोयल ने बीते वर्ष 2025-26 के दौरान क्लब द्वारा किए गए विभिन्न सेवा प्रकल्पों, सामाजिक गतिविधियों और सफल आयोजनों का विस्तृत प्रतिवेदन सभी के सामने प्रस्तुत किया।

रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए विजन किया साझा

क्लब की नई कमान संभालते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन सौरभ सोनी ने रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए अपना विजन साझा किया। उन्होंने सेवा कार्यों का विस्तार करने, क्लब में नए सदस्यों को जोड़ने और समाज के लिए और अधिक प्रभावी कदम उठाने का संकल्प लिया। उनके साथ नवनिर्वाचित सचिव रोटेरियन राहुल फरमानिया और कोषाध्यक्ष रोटेरियन सौरभ अग्रवाल ने आगामी वर्ष के प्रस्तावित सेवा प्रकल्पों, सामाजिक गतिविधियों और क्लब की नई कार्ययोजना का पूरा प्रारूप पेश किया। इस खास मौके पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन आलम सिंह रूपड़ा, असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन नवीन अग्रवाल (रायपुर कॉस्मोपॉलिटन) और असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन रविंद्र सीराय (कॉस्मो दिवास) सहित महाकोशल डिस्ट्रिक्ट के कई रोटरी क्लबों से आए गणमान्य अतिथि विशेष रूप से मौजूद रहे।

लायंस क्लब सीनियर की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण, 5 नए सदस्य जुड़े

रायपुर। लायंस क्लब रायपुर सीनियर के नूतन सत्र 2026-27 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ला. दीपक प्रताप सिन्हा एवं उनकी नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। राजधानी के विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम में नई टीम ने समाजहित में सेवा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह में मुख्य अतिथि प्रांत 3233 सी के प्रांतपाल पीएमजेएफ ला. रिपुदमन पुसरी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि द्वितीय प्रांतपाल पीएमजेएफ ला. अनिल अग्रवाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में ला. अमरजीत सिंह दत्ता ने शपथ अधिकारी की अहम भूमिका निभाते हुए नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को पद की शपथ दिलाई। समारोह में अन्य विशिष्ट अतिथियों में ला. रंजना क्षेत्रपाल, रीजन चेयरपर्सन (आरसी) ला. रेणु गुप्ता और जोन चेयरपर्सन (जेडीसी) ला. दिवाकर अवस्थी विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक ला. डॉ. निरंजन हरितवाल रहे, जबकि एमजेएफ ला. संतोष गुप्ता ने अपने शानदार मंच संचालन से इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

15 साल के बच्चों में खत्म हो रही एकाग्रता, लाइक्स और कमेंट्स के चक्कर में डिप्रेशन का शिकार हो रही नई पीढ़ी

रील की लत बिगाड़ रही भविष्य, 70 प्रतिशत युवा रोज 3 घंटे सोशल मीडिया पर बिताकर साल के 45 दिन कर रहे बर्बाद

> बदलते समय के साथ आज सोशल मीडिया एक ओर जहां युवाओं के लिए तरक्की का नया आसमान खोल रहा है, वहीं दूसरी ओर इसका गलत इस्तेमाल उनकी पूरी जिंदगी और भविष्य को खोखला कर रहा है। विश्व सोशल मीडिया दिवस के अवसर पर जब राजधानी रायपुर में इसके प्रभाव का बारीकी से अध्ययन किया गया तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आज के दौर में कई युवा डिजिटल कंटेंट क्रिएशन को अपना पेशा बना रहे हैं।

विश्व सोशल मीडिया दिवस आज

रायपुर। वे आधुनिक एआई टूल्स का बेहतरीन उपयोग करके शॉर्ट वीडियो के माध्यम से ज्ञानवर्धक और रचनात्मक जानकारियां साझा कर अपना मजबूत भविष्य गढ़ रहे हैं। इसके ठीक विपरीत रायपुर शहर में किशोर और युवा रील देखने और आभासी दुनिया में इस कदर खो चुके हैं कि उनकी एकाग्रता पूरी तरह से खत्म हो रही है। शहर के मनोचिकित्सकों का स्पष्ट कहना है कि सोशल मीडिया अब केवल ज्यादा समय बर्बाद करने की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि इसके भीतर पनप रही वैलिडेशन यानी सहमति और तारीफ पाने की चाहत युवाओं का जीवन बर्बाद कर रही है। मनोचिकित्सक डॉ. एमके साहू बताते हैं कि युवा अब अपनी वास्तविक जिंदगी से कटकर वर्चुअल दुनिया को ही सच मान बैठे हैं। सोशल मीडिया पर डाली गई फोटो या रील पर लाइक और कमेंट न मिलने पर युवा गहरे तनाव, आत्म-संदेह और एंग्जायटी का शिकार हो रहे हैं। सामाजिक मेलजोल की प्रवृत्ति घटने से उनमें असहिष्णुता और अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है।

एक महीने में 90 घंटे स्क्रीन पर बिता रहे

युवाओं को यह अहसास ही नहीं होता कि केवल स्क्रीन स्क्रॉल करने में वे अपने जीवन का कितना बड़ा हिस्सा गंवा रहे हैं। मनोचिकित्सक के मुताबिक, अगर हम रायपुर के एक आम युवा की दिनचर्या का विश्लेषण करें, जो दिनभर में औसतन तीन घंटे सिर्फ रील्स देखने में बिताता है तो इसके आंकड़े बेहद डरावने हैं। हर दिन के तीन घंटे के हिसाब से एक महीने में वह 90 घंटे स्क्रीन पर बिताता है। 24 घंटे के एक दिन के आधार पर यह समय लगभग पौने चार दिन के बराबर होता है। इसी तरह एक साल में यह आंकड़ा 1095 घंटे यानी लगभग 45 दिन या डेढ़ महीने के बराबर हो जाता है। इसका सीधा मतलब यह है कि युवा अपने सालभर के समय में से डेढ़ महीने सिर्फ मोबाइल स्क्रीन घूरने में बर्बाद कर देता है, जिसका उपयोग कॅरियर बनाने, पढ़ाई करने या कुछ नया सीखने में किया जा सकता था।

ऑनलाइन पढ़ाई के दौर के बाद लत भी गंभीर

मनोवैज्ञानिक डॉ. श्वेता तिवारी के अनुसार, 15 साल और उससे कम उम्र के बच्चों का सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताना बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई के दौर के बाद से यह लत और भी गंभीर हो गई है। 8 से 15 साल की उम्र के बच्चों ने मैदानी खेलकूद से पूरी तरह दूरी बना ली है, जिससे उनका दिमाग अब स्थिर और सुस्त हो चुका है। रील्स के छोटे-छोटे वीडियो ने उनके ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को इतना कम कर दिया है कि वे पढ़ाई में फोकस ही नहीं कर पाते। मनोचिकित्सक डॉ. श्वेता सोनी का कहना है कि स्क्रीन टाइम बढ़ने से युवाओं में नींद न आने की समस्या साठ प्रतिशत तक बढ़ गई है। मनोवैज्ञानिकों का साफ मानना है कि 18 साल की उम्र के बाद ही व्यक्ति मानसिक और भावनात्मक रूप से सोशल मीडिया के सही-गलत का आकलन करने के लिए परिपक्व होता है।

फोन के सोशल मीडिया नोटिफिकेशन बंद रखें

इस डिजिटल महामारी से बचने के लिए विशेषज्ञों ने पालकों और युवाओं को सख्त कदम उठाने की सलाह दी है। उनका कहना है कि अनावश्यक स्क्रॉलिंग से बचने के लिए फोन के सोशल मीडिया नोटिफिकेशन बंद रखने चाहिए, ताकि बार-बार ध्यान न भटके। सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल फोन को खुद से दूर रख देना एक अच्छी आदत है। इसके अलावा परिवार के सभी सदस्यों को घर में फोन का उपयोग कम करने का माहौल बनाना होगा। स्कूलों में शिक्षकों को भी चाहिए कि वे व्हाट्स एप के बजाय कक्षा में ही होमवर्क दें और बच्चों को मैदान में खेलने के लिए प्रेरित करें। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सप्ताह में कम से कम एक दिन डिजिटल डिटॉक्स' के रूप में तय किया जाना चाहिए, जब सोशल मीडिया का बिल्कुल भी उपयोग न हो और ऑनलाइन के बजाय वास्तविक रिश्तों को पूरा समय दिया जाए।

क्रिएटिव कार्निवाल में ओपन माइक पर युवाओं ने दिखाई प्रतिभा, बच्चों को भाया मैजिक शो

रायपुर। अविनाश मैग्नेटो मॉल और रेड ब्लैक स्टेज के संयुक्त तत्वावधान में हुए रायपुर क्रिएटिव कार्निवाल ने शहरवासियों को कला, मनोरंजन और रचनात्मक गतिविधियों से यादगार दिन बनाया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में परिवारों, युवाओं और बच्चों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया और यहां विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का जमकर आनंद उठाया। कार्निवाल ओपन माइक नवोदित कलाकारों और प्रतिभागियों के लिए अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का मंच साबित हुआ। यहां युवाओं ने गायन, कविता पाठ, कहानी वाचन और स्टैंड-अप कॉमेडी जैसी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां और सराहना बटोरीं। इसके अलावा कार्यक्रम में हुए एक रोमांचक मैजिक शो ने अपने हैरतअंगेज करतबों से वहां मौजूद सभी लोगों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया।

फेस पेंटिंग रही आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम में बच्चों और परिवारों के लिए खासतौर पर पेपर बैग वर्कशॉप और फेस पेंटिंग की गतिविधियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इन मजेदार गतिविधियों में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लेते हुए अपनी अद्भुत रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का परिचय दिया। लोगों की भारी भीड़ और उत्साह ने इस कार्निवाल को एक बेहद सफल और यादगार आयोजन बना दिया।

आम महोत्सव में कृषि मंत्री नेताम शामिल

रायपुर। प्रेस क्लब में सोमवार को आम महोत्सव उत्साह से सेलिब्रेट किया गया। इसका शुभारंभ कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार रामअवतार तिवारी, क्लब के पदाधिकारी, वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान आत्मीयता, सौहार्द्र और संवाद का माहौल देखने को मिला। इस दौरान श्री नेताम ने कहा कि आम हर किसी का खास है। यह केवल फलों का राजा नहीं, बल्कि हर वर्ग के लोगों की पसंद और हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आम किसानों की मेहनत और प्रकृति की अनमोल देन है। वहीं मोहन तिवारी ने कहा कि प्रेस क्लब सिर्फ एक संगठन ही नहीं, बल्कि एक परिवार है। महोत्सव में विभिन्न किस्मों के स्वादिष्ट आम, आम पना, आम की कुल्फी सहित अन्य व्यंजनों का सभी ने आनंद लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आत्मीय संवाद ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

तोषपाल उपाध्याय ने पत्नी की स्मृति में ब्राह्मण समाज को दिया अब तक का सबसे बड़ा दान

समाजसेवा की अनोखी मिसाल...रिटायर्ड बैंक अधिकारी ने मेधावी और जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए दान दिए एक करोड़ रुपए

कार्नर न्यूज

रायपुर। व्यक्ति को जीवन में अपने समाज को कभी नहीं भूलना चाहिए और जब मौका मिले, समाज के विकास में अपना योगदान जरूर देना चाहिए। इसी विचार को चरितार्थ करते हुए बैंक से सेवानिवृत्त तोषपाल उपाध्याय ने विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति को एक करोड़ रुपए की बड़ी राशि दान में दी है। उन्होंने अपनी पुत्री निवेदिता उपाध्याय के साथ मिलकर यह राशि अपनी स्व. पत्नी सुधा उपाध्याय की स्मृति में दी है। इस राशि का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मण समाज के मेधावी और जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। सोमवार को श्री उपाध्याय ने विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी को इस सहयोग राशि का चेक सौंपा। इस मौके पर उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि नौकरी के दौरान व्यस्तता के कारण वे समाज में सक्रिय भागीदारी नहीं निभा पाते थे, लेकिन सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने तय किया कि अब समाज को कुछ लौटाने का समय आ चुका है। उन्होंने बताया कि यह उनकी जीवन की गाढ़ी कमाई और बचत है। समाज के बच्चों की मदद करने और उनका भविष्य संवारने के इस कार्य से उन्हें असीम सुख और संतुष्टि मिल रही है। बता दें कि सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों के लिए इतनी बड़ी राशि दान करने वाले वे ब्राह्मण समाज के पहले सदस्य बन गए हैं।

एक-एक रुपया नेक उद्देश्य के लिए खर्च किया जाएगा

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने बताया कि यह दान विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों पर विश्वास और श्रद्धा का ही परिणाम है। उन्होंने समाज की ओर से तोषपाल उपाध्याय को विश्वास दिलाया कि उनके द्वारा दी गई राशि का एक-एक रुपया उसी नेक उद्देश्य के लिए खर्च किया जाएगा, जिसके लिए उन्होंने यह दान दिया है। इस गरिमामय कार्यक्रम में पूर्व वनरक्षक प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, कुसुम शर्मा, प्रीति शुक्ला, विभा तिवारी, रत्ना मिश्रा, सुषमा तिवारी, ममता शर्मा, डॉ. ध्रुव पांडेय, संजय दीवान और भूपेंद्र शर्मा सहित समाज के गणमान्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाज सदैव आभारी रहेगा

इस अवसर पर उपस्थित उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश टीपी शर्मा ने कहा कि यह ब्राह्मण समाज के लिए बेहद गर्व का क्षण है। समाज के प्रति तोषपाल उपाध्याय के इस समर्पण के लिए पूरा समाज उनका सदैव आभारी रहेगा। अनुराग पांडेय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे ही योगदान से नई पीढ़ी को तैयार करने में मदद मिलेगी। उनका यह कदम समाज के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी शिवकुमार तिवारी ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद अपनी जमापूंजी का इतना बड़ा हिस्सा दान करना एक बहुत बड़े हृदय वाले व्यक्ति का ही काम हो सकता है।

‘सद्गुरु कबीर साहेब के प्राकट्य स्थल काशी स्थित लहर तालाब में सद्गुरु कबीर साहेब के बाल्य रूप को देखती हुई नीरू नीमा और वहां ध्यानयोग में आष्टानंद मुनि की झलक भक्तिभाव कबीर साहेब के प्राकट्य दिवस पर इस बार निकाली गई शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र रही। सोमवार को दोपहर 12 बजे रामनगर से निकली शोभायात्रा में अलग-अलग क्षेत्र से समाज के लोग आयोजन का हिस्सा बनने के लिए सुबह 11 बजे से पहले पहुंचे। सोनपैरी स्थित संत कबीर आश्रम में उत्सव का माहौल रहा। मुख्य आयोजन में सीएम विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत प्रमुख रूप से शामिल हुए।’

● सोनपैरी कबीर आश्रम में मुख्य आयोजन, संत-महंतों के बीच पहुंचे सीएम साय और अतिथि

संत कबीर प्राकट्य स्थल काशी की मनोहारी झांकी के साथ शोभायात्रा, आदिवासी नृत्य और भजन भी

रायपुर। सद्गुरु कबीर साहेब का 628वां प्रकट दिवस की शहर में धूमधाम से मनाया गया। शोभायात्रा के लिए तय रूट पर जगह-जगह लाउडस्पीकर के जरिए संत कबीरजी के दोहे और भजन गुंजायमान होते रहे। सद्गुरु कबीर धर्मदास वंशावली सेवा समिति, एसकेडीवी मिशन, नवयुवक मंडल एवं आमीन माता महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में पारंपरिक तरीके भव्य शोभायात्रा एवं आध्यात्मिक आयोजन किया गया। रामनगर स्थित कबीर चौक से शुरू हुई शोभायात्रा में धनीधर्म दास साहेब की वंशावली पर आधारित 42 तस्वीरों से सजी झांकी आकर्षण का केंद्र रही। डीजे, धुमाल के बीच आदिवासी नृत्य करते कलाकार तेलघानी नाका चौक, स्टेशन रोड, फाफाडीह पहुंचे। इसमें भजन-कीर्तन करते हुए श्रद्धालुओं का दल भी चल रहा था। जेलरोड, घड़ी चौक से होते हुए आगे शोभायात्रा आगे बढ़ी। सिविल लाइंस स्थित कबीर चौक पहुंचे, जहां श्रद्धा भाव से लोगों ने साहेब बंदगी का जयघोष करते हुए भक्ति एवं उत्साह से कबीरमय वातावरण निर्मित किया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों द्वारा भंडारे का आयोजन करते हुए शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

सतगुरु कबीर चौक पर आरती, पूजा

सिविल लाइंस स्थित सतगुरु कबीर चौक पर आरती और पूजा की गई। वही भंडारे का आयोजन भी किया गया। जहां पर फल, चना, पोहा, बूंदी सेव और शर्बत का वितरण किया गया। सुबह से राहगीरों को प्रसादी का वितरण करने के लिए स्टाल सजाया गया। गंदगी न फैले, इसके लिए चौक पर सफाई व्यवस्था की गई। महानगर मानिकपुरी समाज के प्रेमदास, नामेश्वर दास, गणेश दास, मोहन दास, शंकर दास, त्रिलोचन मानिकपुरी सहित महिला सदस्यों में मालती, लक्ष्मी, पिंकी, मीना, जया ने सहयोग दिया।

सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना

संत कबीर के आदर्शों को आत्मसात करके समाज में समरसता और सेवा की भावना को मजबूत किया जा सकता है। सोनपैरी स्थित कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर यह बात सीएम विष्णुदेव साय ने कही। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत भी संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीरदासजी ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को खत्म करने के लिए अवतार लिया। वर्तमान समाज में आपसी प्रेम और संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है।

मेडिकल कॉलेज परिसर में भंडारा

मेडिकल कॉलेज सभागार में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए सद्गुरु कबीर साहेब की आरती के साथ मुख्य आयोजन का शुभारंभ हुआ। इसमें जागृत साहेब द्वारा प्रस्तुत भजनों ने सभागार को भक्ति से सराबोर किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते हुए सद्गुरु कबीर साहेब के मानवता, समरसता एवं सत्य के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन भंडारा का आयोजन किया गया। श्रद्धा, अनुशासन, भक्ति से वातावरण को कबीरमय बनाया।

सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष

उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आव्हान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीरजी ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथ प्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

धर्म लाइव

सौभाग्य के लिए सुहागिनों ने किया वट सावित्री व्रत

रायपुर। शहर के लगभग सभी क्षेत्र में सुहागिनों ने अखंड सौभाग्य के लिए वट सावित्री व्रत किया। वट पूर्णिमा के अवसर पर कई क्षेत्र में सुहागिन महिलाएं वट सावित्री की पूजा करने के लिए समुह में पुरानीबस्ती, बूढ़ापारा, टिकरापारा क्षेत्र में स्थित वट वृक्ष के नीचे एकत्र हुई। जहां विधि-विधान से वट सावित्री की पूजा करते हुए सभी महिलाओं ने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य के लिए कामना की। इसके लिए बरगद के पेड़ की पूजा की पूजा करते सावित्री की तरह ही सौभाग्य प्राप्ति के लिए कामना करते हुए विविध सामग्री से व्रत नियम का पालन किया। इसमें सभी वर्ग की महिलाओं ने पूजा करने के बाद व्रत की महत्ता से जुड़ी कथा सुनी।

सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी

मुख्य नियम और विधि का पालन करते हुए शुभ मुहूर्त में पूजा के लिए सुबह 08:55 से 10:40 बजे तक का समय मिलने से पुण्य प्राप्त करने के लिए महिलाओं का समुह पूजा करने के लिए पहुंचा। सुहागिनों ने बरगद पेड़ की पूजा करते हुए वृक्ष के नीचे बैठकर सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी। इससे पहले परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत (कपास का धागा) 7 या 11 बार पेड़ में लपेटते हुए परिक्रमा का नियम किया। यह व्रत निर्जला या फलाहार के साथ रखा जाता है। इसमें पूजा के बाद सुहागिनों को श्रृंगार का सामान और दान देने की परंपरा निभाई गई।

मिले पुराने दोस्त, ताजा हुई यादें, कॉलेज कैंपस में हर्षोल्लास के साथ अनूठा संगम

रायपुर। पं. हरिशंकर शुक्ल स्मृति कॉलेज ने आपसी सौहार्द्र एवं सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए एलुमनी मीट का आयोजन किया। हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में प्रतिभाओं द्वारा गीत-संगीत से सजे माहौल में पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन भी किया। विभिन्न मनोरंजक एवं टीम-आधारित खेलों में सहभागिता निभाते हुए आनंदपूर्ण क्षणों का अनुभव प्राप्त किया। इसकी शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत उद्बोधन से हुई। भूतपूर्व विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए नृत्य, संगीत, एवं रचनात्मक गतिविधियों से अपनी कला और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इससे कॉलेज कैंपस में उल्लास, ऊर्जा और उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ। पुराने दिनों को याद करते हुए सभी छात्र भावुक भी हुए।

दोस्तों की पर्सनॉलिटी देख कर हैरान भी हुए

पुराने दोस्तों से मिलने आतुर तो थे, पर कई दोस्तों को देखकर अचंभित भी हुए। एक दूसरे के बदले हुए स्टेटस और पर्सनॉलिटी को देखकर हैरान भी हुए। किसी का बढ़ा हुआ पेट तो किसी की बड़ी रौबदार मूछें आकर्षण का केंद्र रहीं। सभी एलुमनी ने उत्साह के साथ खेलों में भाग लिया और एक-दूसरे का उत्साहवर्धन करते हुए अवसर को यादगार बनाया। हंसी, उमंग और आत्मीयता से परिपूर्ण यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए यादगार रहा। एक-दूसरे की मिमिक्री करते हुए सभी ने खूब आनंद लिया। सभी विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों की सीख को याद किया और कॉलेज के स्वर्णिम पल को अपनी स्मृतियों में संजोया।

जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह का संचार होगा

कॉलेज के चेयरमैन सुशील शुक्ला ने कहा कि पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्था की धरोहर होते हैं। आप सभी की उपस्थिति से कॉलेज परिवार गौरवान्वित महसूस करता है। प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा ने कहा, एलुमनी मीट जैसे आयोजन विद्यार्थियों के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं। ऐसे आयोजन नए और पुराने विद्यार्थियों के बीच के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं। विद्यार्थियों के आयोजन की सराहना करते हुए इसे मनोरंजन, सीख और आपसी जुड़ाव का अवसर बताया। इसमें कॉलेज परिवार का उत्साह और सहभागिता देखने योग्य रही, जिसने इस आयोजन को सफल एवं यादगार बना दिया।

रोजगार मेला और महिलाओं को अब कार्यकारिणी में स्थान देने का निर्णय

रायपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा की वार्षिक आमसभा का आयोजन तुलसी मानस भवन में किया गया। इस दौरान अहम निर्णय लिए गए। इनमें ऐतिहासिक निर्णय समाज की कार्यकारिणी में अब महिलाओं को शामिल करने को लेकर किया गया। साथ ही बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर देने के लिए रोजगार मेला लगाने का भी निर्णय लिया।

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा की वार्षिक आमसभा संजय नगर स्थित सामाजिक भवन की गई। इसमें सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने बताया कि हमारे समाज में परंपरागत रूप से महिलाओं में पर्दा प्रचलन रहा है, जिसकी वजह से महिलाएं सामान्यतः सामाजिक बैठक में शामिल होने में भी संकोच करती थीं, लेकिन अब उनमें भी जागृति आ गई है। उनकी शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है और वे कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं।

समाज को आगे बढ़ाने की सोच के साथ सहयोग दें

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में कार्यकारिणी में महिलाओं को स्थान देना तय किया गया है। अगली कार्यकारिणी की बैठक में नारी शक्ति अपने विचार रखेंगी। डॉ. शुक्ला ने बताया कि समाज के बेरोजगार युवाओं के लिए समाज प्रांगण में ही अब रोजगार मेला लगाने का फैसला लिया गया है। वरिष्ठ सदस्यों के आयुष्मान कार्ड, समाज प्रांगण में ही बनेंगे। इसके लिए प्रशासनिक पहल की जानी है। सभा ने सभी से अपील की हे कि समाज को आगे बढ़ाने में अच्छी सोच के साथ सहयोग दें, नकारात्मक विचारों को छोड़ें। प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने आय-व्यय की जानकारी दी। आमसभा का संचालन वीएन मिश्रा और महासचिव राजेश त्रिपाठी ने किया।

समाज इवेंट

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के प्रवचन 8 जुलाई से, मुख्यमंत्री साय ने किया पोस्टर का विमोचन

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा 8 जुलाई से 14 जुलाई तक बुढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के श्रीमुख से श्रीमद भागवत कथा के आयोजन के पोस्टर का विमोचन सोमवार को मुख्यमंत्री निवास में सीएम विष्णुदेव साय ने किया। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री एवं प्रवक्ता राजकुमार राठी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल के नेतृत्व में वैश्य समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर कार्यक्रम का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा श्रीमद भागवत कथा के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। पोस्टर विमोचन के दौरान प्रमुख रूप से योगेश अग्रवाल, राजकुमार राठी, शिवरतन गुप्ता, संजय चौधरी, सुभाष साहू, राजीव अवस्थी, सुब्रत घोष, नवीन लोढ़ा आदि उपस्थित रहे। बता दें कि आयोजन को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है। विभिन्न समाज के लोग भी इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अपना सहयोग दे रहे हैं। पहली बार रायपुर में देवकीनंदन ठाकुर कथा करने आ रहे हैं। लोगों में उनके श्रीमुख से कथा सुनने का उत्साह बना हुआ है।

शहर के श्री जगन्नाथ मंदिरों में निभाई गई देव स्नान पूर्णिमा की परंपरा

सुगंधित 108 कलश जल से जगन्नाथ प्रभु बलभद्र और देवी सुभद्रा का 'स्नानोत्सव'

कार्नर न्यूज

रायपुर। देव स्नान पूर्णिमा पर शहर के गायत्री नगर, पुरानी बस्ती, लिली चौक और सदरबाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर में भक्तिमय माहौल रहा। भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को पारंपरिक विधान से वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए भव्य महाअभिषेक एवं स्नानोत्सव श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। इससे मंदिर परिसर जय जगन्नाथ के जयघोष, भजन-कीर्तन एवं आध्यात्मिक वातावरण से गुंजायमान हो रहा था। इस कड़ी में भगवान ने सुगंधित द्रव्यों से भरे 108 कलश जल से महास्नान किया। इसमें श्रद्धालुओं को दर्शन लाभ मिला। भक्तों की मौजूदगी से वातावरण भक्तिरस से सराबोर रहा। इसमें लोग परिवार के साथ ही पुण्य अर्जन के लिए पहुंचे। इससे सभी जगन्नाथ मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। अब भगवान 15 दिनों के लिए एकांतवास में जाएंगे।

14 जून तक अनवरत में रहेंगे भगवान

गायत्री नगर जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का 108 पवित्र कलशों के भरे जल से महाअभिषेक कर प्रदेश के लोगों की सुख और समृद्धि, शांति के लिए कामना की। महाअभिषेक के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा 15 दिनों तक दर्शन नहीं देंगे और ‘अनवसर’ में रहेंगे। इस अवधि में भगवान विश्राम एवं उपचार करेंगे। इसके बाद नवयौवन दर्शन के बाद विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा पर 16 जुलाई को दर्शन देने के लिए निकलेंगे। इस बीच भगवान को औषधिय भोग अर्पित किया जाएगा।

महास्नान की भक्तों ने निभाई परंपरा

पुरानी बस्ती के श्री जगन्नाथ मंदिर में ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान श्री जगन्नाथ को महास्नान कराया गया। राजेश्री महंत रामसुन्दर दास महाराज की में यह पारंपरिक आध्यात्मिक आयोजन किया गया। महास्नान के संदर्भ में राजेश्री ने कहा कि- प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ पूर्णिमा को भगवान श्री जगन्नाथ महास्नान करते है। सनातन धर्म में इसका विशेष महत्व है। सभी भक्त अपने हाथों से भगवान को विभिन्न नदियों से लाये गए पवित्र जल से महा स्नान कराते हैं। इसका पुण्य लाभ इस बार भी भक्तों ने प्राप्त किया। पुजारी तिलक दास ,विजय पाली, राजेश अग्रवाल, अवनींद्र नाथ ठाकुर, रमेश यदु, चंद्रकांत यदु, अजय अग्रवाल, रामछबि दास, निर्मल दास वैष्णव सहित हर्ष दुबे ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

सिटी स्पोर्ट्स

29 जून से 5 जुलाई तक ऐसा रहेगा 1 से 9 मूलांक का समय

इस सप्ताह यानी 29 जून से लेकर 5 जुलाई का यह सप्ताह ग्रहों की चाल के लिहाज से बेहद हलचल भरा और महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस सप्ताह कई मूलांक वालों को करियर में नई उड़ान देखने को मिलेगी, तो कुछ को अपने खर्चों और जुबान पर कंट्रोल रखना होगा। आइए जानते हैं अंक शास्त्र के अनुसार, मूलांक 1 से लेकर 9 तक के जातकों के लिए यह सप्ताह कैसा रहने वाला है

मूलांक-1: इस अंक के जातक 5 जुलाई तक ज्यादा स्ट्रेस न लें। आपको दृष्टिकोण में हमेशा सकारात्मक बने रहना चाहिए। रिश्ते के मुद्दों को पॉजिटिव तरीके से सुलझाएं। कोई बड़ी वित्तीय समस्या नहीं है। उत्पादकता से जुड़े मुद्दे पेशेवर जीवन पर असर नहीं डालेंगे।

मूलांक-2: यह सप्ताह पैसों के मामलें में वृद्धि और करियर में उन्नति के अवसर प्रदान करता है। कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के लिए तैयार रहें, जो आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। लव के मामलें में दिल की नहीं बल्कि दिमाग की सुनें।

मूलांक-3: इस सप्ताह में प्रॉब्लम सॉल्व करने की कला पर फोकस रखें। अपने कार्यक्षेत्र में सफलता के प्रति क्लियर रहें। व्यावसायिक चुनौतियों से मेहनत से निपटें। कोई वित्तीय समस्या नहीं रहेगी। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहने वाला है।

मूलांक-4: इस सप्ताह में आपकी धन की स्थिति स्मार्ट मौद्रिक निवेश योजनाओं की अनुमति देती है। आपका स्वास्थ्य भी कोई तकलीफ नहीं देगा। आप क्रिएटिव फील कर सकते हैं।

मूलांक-5: इस सप्ताह में लव लाइफ में एक दूसरे के बीच के मतभेद दूर करें। याद रखें आप काम के प्रेशर को ऐसे संभाल सकते हैं, जैसे कोई नहीं संभालता। प्रेम के मामले में रोमांटिक रहें। आपका प्रेम जीवन मजबूत और पेशेवर जीवन रचनात्मक रहेगा।

मूलांक-6: माह के पहले सप्ताह में आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना होगा। हेल्दी डाइट लें और स्ट्रेस को बाय-बाय कहें। ये सप्ताह आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। टास्क में भी उत्तम परिणाम दें। स्मार्ट निवेश करने के लिए आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य भी ठीक है।

मूलांक-7: 29 जून से लेकर 5 जुलाई के सप्ताह में ऐसी एक्टिविटी करें, जो आपको खुश और कॉन्फिडेंट बनाती है। आपकी आनंदमय ऊर्जा को बढ़ाने और उन लोगों को आकर्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है, जो आपके जैसा ही महसूस करते हैं। ब्रह्मांड के डीसीजन में अपना विश्वास रखें।

मूलांक-8: यह सप्ताह आपके लिए चुनौतियों और अवसरों का मिश्रण लेकर आया है। आपका पॉजिटिव रवैया दिन को सफलता के साथ पार करने और व्यक्तिगत विकास के द्वार खोलने में महत्वपूर्ण होगा। साहस और उत्साह के साथ दिन का आनंद उठाएं।

मूलांक-9: आने वाले सप्ताह में अपने रोज के कार्यक्रम से कुछ समय निकालें और कुछ ऐसा करें, जो आप हमेशा से करना चाहते थे। आपका अच्छा मूड होगा और यह उन लोगों को आकर्षित करेगा, जो कनेक्शन बनाने के लिए तैयार हैं।

16 जुलाई से इन राशियों की चमक सकती है किस्मत

आगामी 16 जुलाई को सूर्य मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। वैदिक ज्योतिष के अनुसार इस गोचर का असर सभी 12 राशियों पर पड़ेगा। हालांकि वृषभ, कर्क, कन्या, तुला और मकर राशि के जातकों को करियर, कारोबार, धन और मान-सम्मान के मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के लोगों के लिए यह गोचर शुभ माना जा रहा है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। अगर लंबे समय से प्रमोशन या वेतन बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं तो अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार में भी लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क राशि : सूर्य का गोचर आपकी ही राशि में होने जा रहा है। ऐसे में आत्मविश्वास बढ़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। नए काम की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है। समाज में मान-सम्मान बढ़ने के भी संकेत हैं। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है।

कन्या राशि : कन्या राशि के लोगों के लिए यह समय लाभदायक साबित हो सकता है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। कारोबार में अच्छे अवसर मिलेंगे। किसी पुराने निवेश से भी फायदा हो सकता है। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों के लिए भी समय अच्छा माना जा रहा है।

तुला राशि : तुला राशि के लोगों को करियर में आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में नए समझौते हो सकते हैं। अगर नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो समय अनुकूल रह सकता है।

मकर राशि : मकर राशि वालों के लिए सूर्य का यह गोचर सकारात्मक परिणाम दे सकता है। नौकरी और कारोबार दोनों में प्रगति के योग बन रहे हैं। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और मानसिक तनाव भी कम हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर बढ़ा रहे छोटी उम्र में टेंशन

हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचना है तो छोटी उम्र से ही गांठ बांध लीजिए कुछ जरूरी बातें

हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इन दिनों को कंट्रोल में रखना जरूरी है। लोग अक्सर जानना चाहते हैं कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

दरअसल, हृदय रोग की समस्याएं सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। हाल के वर्षों में 30 से कम आयु वालों में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामले काफी बढ़ गए हैं। हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इन दिनों को कंट्रोल में रखना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है। क्या आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित है?

कोलेस्ट्रॉल का नाम सुनते ही अक्सर दिल की बीमारियों का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल वास्तव में इतना भी बुरा नहीं है? वास्तव में, यह शरीर की कोशिकाओं की बनावट, हार्मोन्स के निर्माण और पाचन में जरूरी भूमिका निभाता है। समस्या तब होती है जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है और गुड कोलेस्ट्रॉल की घट जाती है। अब आपके मन में भी सवाल आ रहा होगा कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण होने वाली समस्याएं: हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही अगर जीवनशैली में सुधार कर लिया जाए तो बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचा जा सकता है। यूएस स्थित कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एड्रियाना क्विनोनेस-कैमाचो कहती हैं, हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल वर्षों से आपकी धमनियों की दीवारों में जमा होता है। प्लाक के निर्माण करके धमनियों को संकरा और सख्त कर देता है, जिससे हृदय रोग, दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में आपके खराब आहार और गड़बड़ जीवनशैली की मुख्य भूमिका होती है। जो लोग संतृप्त और ट्रांस फैट वाली चीजें अधिक खाते हैं, गतिहीन जीवनशैली जीते हैं, अत्यधिक धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं, मोटापा या मधुमेह जैसी बीमारियों का शिकार हैं उनमें ये दिक्कत अधिक देखी जाती है। इसका मतलब है कि अगर कम उम्र से ही इनमें सुधार कर लिया जाए तो कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के खतरे से बचा जा सकता है।

खान-पान में बदलाव जरूरी

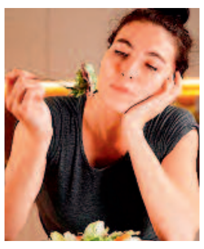

अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशियन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, डाइटरी फाइबर वाली चीजों को आहार में अधिक से अधिक शामिल करके बैड कोलेस्ट्रॉल को 5-10 फीसदी तक कम कर सकता है। दलिया, साबुत अनाज, सेब और बीन्स का सेवन बढ़ाने से आपको लाभ मिल सकता है।

ट्रांस फैट से बचें और ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा बढ़ाएं

बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचे रहने का एक फार्मूला ये भी है कि आहार में ट्रांस फैट वाली चीजें जैसे बेकरी आइटम्स, फ्राई चीजों की मात्रा कम कर दें। इस तरह के खाद्य पदार्थ भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

हार्वड मेडिकल स्कूल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजों को अपने आहार में शामिल करने से हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। अखरोट, अलसी के बीज, मछली और एवोकाडो आदि को आहार का हिस्सा बनाएं।

इन उपायों पर भी देते रहें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, कोलेस्ट्रॉल की समस्या कोई अचानक आने वाली बीमारी नहीं है, यह वर्षों तक चुपचाप शरीर में बढ़ती है। लेकिन यदि हम आज से ही अपने खानपान, व्यायाम, सोच और आदतों में बदलाव लाएं तो न केवल हम कोलेस्ट्रॉल से बल्कि उससे जुड़ी हृदय संबंधी बीमारियों से भी सुरक्षित रह सकते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल से बचाव के लिए लाइफस्टाइल में कुछ और सुधार करना जरूरी है। रेड मीट और प्रोसेस्ड मीट को सीमित करें। इसकी जगह अंडे के सफेद भाग, टोफू और दालों का सेवन अधिक से अधिक करें। सक्रिय जीवनशैली अपनाएं, नियमित व्यायाम करें। एरोबिक व्यायाम को कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल रखने वाला पाया गया है। हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, लगातार तनाव में रहने से भी कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है। स्ट्रेस को कंट्रोल करने वाले तरीकों पर भी ध्यान देना जरूरी है।

'प्रोसेस्ड फूड' को लेकर दीवानगी ठीक नहीं, इन्हें सीमित मात्रा में लेना ठीक

अधिकतर प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे होते हैं जो सेहत के लिए हानिकारक होते हैं, लेकिन कुछ प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे भी होते हैं जिन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो वो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रोसेस्ड फूड बहुत से लोगों के जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। नूडल्स, चिप्स, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और रेडी-टू-ईट भोजन अपनी सुविधा के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। बेशक ये फूड्स हमारा समय बचाते हैं, लेकिन इसको लेकर कुछ लोगों के मन में अक्सर ये सवाल रहता है कि क्या प्रोसेस्ड फूड वाकई हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं? इस सवाल का सही जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि प्रोसेस्ड फूड होता क्या है? यह भी जानना जरूरी है कि सभी प्रोसेस्ड फूड एक जैसे नहीं होते हैं। प्रोसेस्ड फूड की दुनिया काफी जटिल है, कुछ ऐसे हैं जिनसे पूरी तरह से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट मौजूद होता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें सीमित मात्रा में या सही चुनाव के साथ अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। आइए, प्रोसेस्ड फूड के बारे में विस्तार से जानते हैं, साथ ही उनके संभावित नुकसानों और उनसे बचने या सुरक्षित विकल्पों को चुनने के बारे में भी जानेंगे।

प्रोसेस्ड फूड क्या है?

प्रोसेस्ड फूड वह खाद्य पदार्थ है, जिसे स्वाद, शेल्फ-लाइफ, या सुविधा के लिए रासायनिक प्रक्रिया से तैयार किया जाता है। इसमें फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद फल, और चिप्स जैसे स्नैक्स शामिल हैं। हालांकि, सभी प्रोसेस्ड फूड हानिकारक नहीं होते। उदाहरण के लिए, फ्रोजन मटर या पाश्चुरीकृत दूध न्यूनतम प्रोसेसिंग के साथ पौष्टिक हो सकते हैं। लेकिन अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड, जैसे कि चीनी युक्त पेय, पैकेज्ड स्नैक्स, और रेडी-मेड भोजन, सामान्यतौर पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होते हैं।

हानिकारक प्रोसेस्ड फूड और उनके खतरे

अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में चीनी, नमक, ट्रांस फैट, और कृत्रिम रसायन जैसे प्रिजर्वेटिव्स और रंग अधिक मात्रा में होते हैं। इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, बर्गर, और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का नियमित सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाता है। इनमें पोषक तत्व कम और कैलोरी अधिक होती है।

जुलाई में केतु का होगा नक्षत्र परिवर्तन तीन राशियों की सुधरेगी आर्थिक स्थिति

अगले महीने 6 जुलाई को केतु का पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में आभासी प्रवेश होगा, जो 20 जुलाई को पूर्ण होगा। इस गोचर से तीन राशियों का भाग्य जागेगा और उन्हें विशेष धन लाभ के अवसर मिलेंगे। 6 जुलाई को दोपहर 1:32 बजे केतु पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में आभासी रूप से प्रवेश करेगा और इसका पूर्ण गोचर 20 जुलाई को दोपहर 2:10 बजे होगा। केतु के इस नक्षत्र परिवर्तन से तीन राशियों के लिए सौभाग्य के द्वार खुल सकते हैं।

वृषभ राशि: केतु का पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर वृषभ राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ रहेगा। इस दौरान आपकी रचनात्मक सोच और नेतृत्व कौशल को खूब बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और पुराने अधूरे काम पूरे होने के आसार हैं।

तुला राशि: तुला राशि के जातकों के लिए यह गोचर मानसिक स्पष्टता और संतुलन लेकर आएगा। आपकी निर्णय क्षमता बेहतर होगी और आप अपने लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या वेतन वृद्धि का अवसर मिल सकता है, जबकि व्यवसाय में पुराने अटके काम से लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों के लिए यह गोचर आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक उन्नति का समय होगा। आपकी अंतरात्मा की आवाज़ प्रबल होगी और सही निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होगी। कला, लेखन, संगीत या आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े लोग इस अवधि में खास पहचान और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं।

वास्तु के अनुसार होना चाहिए पूजा घर

पूजा घर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि जीवन में संतुलन और समृद्धि का माध्यम भी है। इसलिए पूजा घर बनवाते समय वास्तु से जुड़ी कुछ आवश्यक बातों का ध्यान रखना अत्यंत जरूरी है।

पूजा घर की शुभ दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पूजा घर के लिए सबसे उत्तम दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) होती है। यह दिशा भगवान शिव और जल तत्व से संबंधित मानी गई है, जिससे पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि यह दिशा उपलब्ध न हो, तो पूर्व दिशा को दूसरा सर्वोत्तम विकल्प माना जाता है। पूजा करते समय व्यक्ति का मुख भी पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए, इससे साधना में एकाग्रता आती है और ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।

पूजा घर का स्थान और संरचना

पूजा घर को कभी भी शौचालय, बाथरूम या सीढ़ियों के नीचे नहीं बनाना चाहिए। यह स्थान शांत, स्वच्छ और ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। यदि घर छोटा है, तो ड्राइंग रूम के उत्तर-पूर्व कोने को पूजा के लिए चुना जा सकता है। मंदिर को हमेशा जमीन से कुछ ऊंचाई पर रखें और उसके नीचे किसी भी प्रकार का सामान स्टोर न करें। मंदिर की दीवार पर लकड़ी की पीठ या प्लेटफार्म लगाया जा सकता है।

मूर्तियों की व्यवस्था

मंदिर में स्थापित मूर्तियां 9 इंच से अधिक ऊंची नहीं होनी चाहिए और उन्हें दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि पीछे की ओर हवा का प्रवाह बना रहे। खंडित या

टूटी हुई मूर्तियों को तुरंत मंदिर से हटा देना चाहिए क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं। भगवान की मूर्तियों की संख्या भी सीमित होनी चाहिए। एक ही देवता की कई मूर्तियों को एकसाथ न रखें।

मंदिर का रंग और सजावट

पूजा घर के रंग हल्के और शुभ होने चाहिए, जैसे कि सफेद, हल्का पीला, गुलाबी या क्रीम। गहरे या काले रंगों से बचना चाहिए क्योंकि ये मन और वातावरण पर भारी प्रभाव डालते हैं। मंदिर में धूपबत्ती, दीपक, शंख और घंटी की व्यवस्था अवश्य करें। रोजाना दीपक जलाने और सुगंधित धूप लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

पूजा घर से जुड़ी कुछ सावधानियां

मंदिर को रसोईघर या शयनकक्ष में न बनाएं। यदि जगह की कमी के कारण ऐसा करना पड़े, तो मंदिर को लकड़ी की अलमारी में बनाकर उसे पर्दे से ढक सकते हैं। पूजा स्थान में कभी भी जूते-चप्पल लेकर न जाएं और वहां मोबाइल फोन या अन्य ध्यान भटकाने वाली वस्तुएं न रखें। पूजा घर को हमेशा स्वच्छ और सुगंधित बनाए रखें।

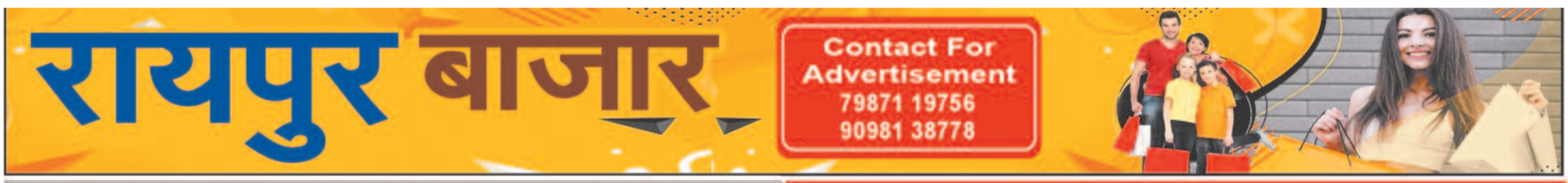

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सिंगर हैरी का लाइव कॉन्सर्ट में गला चोक, स्टेज पर गिर पड़े

'वॉटरमेलन शुगर' फेम ब्रिटिश सिंगर हैरी स्टाइल्स के साथ वेम्बली स्टेडियम में कुछ ऐसा हुआ, जिसने एक पल के लिए उनके लाखों-करोड़ों फैंस की धड़कन रोक दी। हैरी अपनी लाइव परफॉर्मेंस दे रहे थे, जहां अचानक गाने के बीच में पानी पीते ही उनका गला चोक हो गया। पानी उनके गले में अटक गया, चोकिंग की वजह से वह स्टेज पर गिर पड़े। इस कारण शो कुछ देर के लिए बीच में रुक गया। वहां मौजूद दर्शक यह सब देख परेशान हो गए, जबकि अब इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियोज को देख फैंस भी चिंता में पड़ गए हैं। हालांकि, 32 साल के सिंगर की हालत कुछ मिनटों में ठीक हो गई और उन्होंने वापस परफॉर्मेंस देना शुरू कर दिया। हैरी स्टाइल्स के साथ यह घटना 26 जून के शो में हुई है। वेम्बली स्टेडियम में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बीच हजारों की संख्या में फैंस मौजूद थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिंगर दर्शकों से बातचीत कर रहे थे, तभी उन्हें गले में कुछ अटकने जैसा महसूस हुआ। उन्होंने पानी की बोतल उठाई और एक घूंट पिया, लेकिन इसके बाद उनकी हालत और खराब हो गई। दम घुटने लगा। वह वहीं स्टेज पर लेट गए। हालांकि, हैरी ने जल्द ही खुद को संभाला और परफॉर्मेंस जारी रखी। जब सिंगर स्टेज पर ठीक हो रहे थे, तब क्रू मेंबर्स और ऑन-साइट सपोर्ट टीम को तुरंत मदद करते हुए देखा गया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

टॉलीवुड

50 साल की बेटी को नहीं पता कौन है अपनी मां! अजब श्रुति की गजब कहानी

साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा 50 साल की है। 150 से अधिक फिल्मों में काम कर चुकी हैं। दो बार राज्य फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हैं। लेकिन, उनकी जिंदगी की एक दिलचस्प बात यह है कि वह दो मां की संतान हैं। जी हां, उनके पिता ने जुड़वा बहनों से शादी की थी। श्रुति को आजतक नहीं पता कि उनकी असली मां कौन हैं। असल जिंदगी की कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो फिल्मों जैसी लगती हैं। लेकिन कल्पनाओं से परे, साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा का असल जीवन ऐसा है, जिसके बारे में जानकर एकबारगी आपको भी हैरानी होगी। वह 50 साल की हैं। 36 साल के करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। श्रुति एक अनूठे परिवार का हिस्सा हैं, जहां उनकी दो मां हैं। वह कहती हैं कि उन्हें या उनके भाई-बहनों को कभी यह जानने की जरूरत महसूस नहीं हुई कि उनकी बायोलॉजिकल मां कौन हैं। दरअसल, श्रुति के पिता ने जुड़वा बहनों से शादी की। दो बीवियों से तीन संतान प्राप्त हुए। लेकिन, इसी के साथ एक फैसला लिया गया। कभी किसी को नहीं बताना है कि कौन किस मां की औलाद है। नतीजा, आज तीन बच्चों, दो मां और एक पिता का यह परिवार राज़ी-खुशी रहता है। श्रुति कृष्णा 'बिग बॉस कन्नड़' सीजन 3 की विनर रही हैं। वह बीते दिनों 'सूर्या: द पावर ऑफ लव' और 'मजेस्टिक 2' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। श्रुति का नाम पहले गिरिजा था। जन्म के वक्त परिवार ने उन्हें यही पहचान दी। उनका परिवार थिएटर से जुड़ा हुआ है।

भोजपुरी

पहले लोग मुझे नकारते थे, 34 साल बाद मेरे बदले हैं हालात : रवि किशन

एक्टर-नेता रवि किशन अभी रियलिटी शो 'अलायंस' का हिस्सा हैं, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी रिवा किशन के साथ हिस्सा लिया है। कुणाल खेमू के होस्ट किए गए इस शो को हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया। पहले एपिसोड में, रवि को फिल्म इंडस्ट्री में सालों तक मिले रिजेक्शन को याद करते हुए देखा गया और बताया गया कि कैसे 34 साल बाद उन्हें सफलता मिली। यह बताते हुए कि 34 साल बाद हालात कैसे बदल गए, रवि किशन ने कहा, 'उस साल मैंने 'बेस्ट एक्टर' के सभी अवॉर्ड जीते। मैं उन सभी मंचों पर गया जहां लोग मुझे कभी नहीं बुलाते थे। उन्होंने हमेशा मुझे ठुकराया था। किसी को यकीन नहीं था कि मैं कभी कुछ हासिल कर पाऊंगा।' रवि किशन के करियर का यह दौर बहुत शानदार चल रहा है और उनके हालिया काम की काफी तारीफ हो रही है। किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' में उनके रोल के लिए क्रिटिक्स और लोगों, दोनों ने उनकी काफी तारीफ की। वहीं वेब सीरीज 'मामला लीगल है' में भी उनके काम को पसंद किया गया। उन्हें 'मां बहन' और 'भाभीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में भी देखा गया। उन्होंने बताया कि 90 के दशक में जब इंडस्ट्री में नए-नए स्टार्स आ रहे थे, तब पूरी तरह तैयार और ट्रेंड होने के बावजूद उन्हें रिजेक्शन का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने माना कि इस दौर में उन्हें लगा कि वह पीछे छूट गए हैं, फिर भी उन्हें भरोसा था कि उनका समय भी जरूर आएगा। कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए रवि किशन ने इंडस्ट्री में अपने लंबे और मुश्किल सफर के बारे में खुलकर बताया।

1.8 लाख रुपए की ड्रेस पहनकर पहुंचीं प्रियंका

साइड स्टाइल

ग्लोबल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने कान लायंस इवेंट के लिए उन्होंने सिल्विया चेरासी की कलर-ब्लॉक्ड हॉल्टर ड्रेस पहनी। इसकी कीमत 1,80,900 रुपए थी। इटैलियन फैब्रिक से बनी इस मैक्सी ड्रेस का कॉलम सिल्हूट इसे एक स्टाइलिश लुक दे रहा था। पीछे की तरफ टाई डिटेलिंग वाली हॉल्टर नेकलाइन ने एक्ट्रेस के लुक को और भी शानदार बना दिया। ड्रेस के साथ फ्रेडा साल्वाडोर लेदर थोंग सैंडल, साथ ही पिंक नेकलेस और रोलेक्स डे-डेट 40 चॉकलेट डायल घड़ी पहनीं।

पहली बार हेयर कलर कराने जा रहें हैं तो ध्यान रखें इन बातों का

आज के समय में हेयर कलर न सिर्फ सफेद बालों को छिपाने का सही तरीका है, बल्कि अब ये एक स्टाइल स्टेटमेंट भी बन गया है। इसकी वजह से लुक काफी बदल जाता है। इसीलिए अब तो युवाओं के बीच बालों को रंगने का काफी क्रेज है। अगर आप भी अपने बालों को कलर कराना चाहते हैं, तो एक बार पहले अच्छे से सोच लीजिए। यहां आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स हैं, जिनका ध्यान आपको तब रखना है, अगर आप पहली बार हेयर कलर करने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपको किसी तरह की एलर्जी का खतरा नहीं रहेगा।

शही शेड चुने

अगर पहली बार कलर कराने जा रहे हैं तो कलर चुनने से पहले सोच-समझकर फैसला लें। एक बार गलत कराने से आपका पैसा, समय बर्बाद हो सकता है। इसलिए पहली बार में बहुत ब्राइट या एक्सपेरिमेंटल कलर पहली बार में अवॉइड करें। कलर पसंद करते समय अपनी पर्सनालिटी का खास ध्यान रखें।

पैच टेस्ट है सबसे जरूरी

पहली बार बालों में कलर कराना है तो पैच टेस्ट पहले अवश्य करा लें। क्योंकि अगर कलर कराने के बाद ये आपको सूट नहीं किया तो भयंकर एलर्जी का सामना आपको करना पड़ सकता है। कलर लगाने से 24 घंटे पहले पैच टेस्ट करें ताकि किसी एलर्जी या रिएक्शन का खतरा न हो। ऐसा करने से आप एलर्जी से बच जाएंगे।

प्रोफेशनल से करवाना बेहतर

पहली बार हेयर कलर कभी भी घर पर न करें। इसके लिए किसी अच्छे हेयर एक्सपर्ट की सलाह लें। इससे आपको अच्छा एक्सपीरिएंस मिलेगा। एक अच्छा हेयर एक्सपर्ट आपके स्किन और बालों को देखकर ही राय देता है। पहली बार हेयर कलर कराने से एक हफ्ते पहले से ही अपने बालों का खास ध्यान रखें। इसके लिए हेयर कलर से कुछ दिन पहले बालों को अच्छे से मॉइस्चराइज़ और ऑयल करें। यदि आप डैमेज बालों में कलर लगवाएंगे तो इसका असर लंबे समय तक टिकने वाला नहीं होगा।

फिर लौट रहा 'वाय2के' वाला ट्रेंड्स, लुभा रहा 2000 का ग्लैमर

फैशन कभी आउट ऑफ ट्रेंड नहीं होता। साल 2000 के दशक का फैशन ट्रेंड अब 'वाय2के' बनकर लौटा है। मिलेनियल्स और जेन-जी को यह फैशन स्टाइल खूब भा रहा है। दादी का दौर हो या मम्मी का, हर दशक के फैशन की एक खास बात रही है। शायद यही वजह है कि फैशन ट्रेंड्स समय के साथ बदलते जरूर हैं, लेकिन अक्सर वापस लौटते हैं। आज के समय में नई पीढ़ी उस दौर के कपड़े और एक्सेसरीज को नया ट्विस्ट दे रही है, जिससे वे पुराने होते हुए भी ट्रेंडी लगते हैं। ऐसा ही एक फैशन ट्रेंड लौटकर आया है, जिसके दीवाने सेलिब्रिटी से लेकर आम महिलाएं भी हो रही हैं। यह फैशन ट्रेंड है- 'वाय2के'।

क्या है यह ट्रेंड

वाय 2 के यानी 'ईयर 2000' का फैशन ट्रेंड उस दशक की शुरुआत का ग्लैमरस और बोल्ड स्टाइल था। पॉप कल्चर से प्रेरित यह ट्रेंड फैशन में नॉस्टैल्जिया यानी पुरानी यादों को जोड़ते हुए आपको नए अंदाज से जीने का मौका देता है। नई पीढ़ी के लिए यह इस गर्मी का आकर्षक ट्रेंड बन गया है। जेन-जी और मिलेनियल्स 'वाय2के' फैशन को मॉडर्न ट्रेंड्स और पर्सनल स्टाइल के साथ कॉपी कर रहे हैं, जो पुराने दौर को नए जमाने से जोड़ रहा है।

मैटेलिक फैब्रिक

सिल्वर और गोल्ड शेड्स जैसे ग्लॉसी लुक देने वाले मटेरियल्स 'वाय2के' फैशन की पहचान थे। ये शेड्स पार्टी वियर, बैग, फुटवियर और मेकअप में खूब दिखे। उनका चमकदार, फ्यूचरिस्टिक (अत्याधुनिक) लुक उस दौर की टेक्नोलॉजी और पॉप कल्चर से प्रेरित था। ऐसे में 'वाय2के' ट्रेंड के जरिए मैटेलिक जैकेट्स और शाइनी एक्सेसरीज फिर से युवतियों को आकर्षित कर रही हैं।

15 मिनट में चेहरे पर आ जाएगा निखार, लोग पूछेंगे इसका राज

कई बार बिना किसी प्लानिंग के अचानक से पार्टी में जाने का प्लान बन जाता है। ऐसे में आपको ऐसे फेसपैक के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें न सिर्फ बनाना बल्कि इस्तेमाल करना भी काफी आसान है।

पहला फेस पैक

इस पहले फेस पैक को बनाने के लिए आपको दही, हल्दी और थोड़े से बेसन की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने का तरीका काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले सभी चीजों को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। अच्छी तरह से पैक को लगाने के 10-15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। अब 15 मिनट के बाद चेहरे को हल्का गीला करें और फिर हल्के हाथ से मसाज करते हुए साफ कर लें। इस फेस पैक के इस्तेमाल से आपका चेहरा पूरी तरह से खिल उठेगा। पैक को हटाने के बाद मॉइश्चराइर लगाएं और टोनर का इस्तेमाल अवश्य करें। इसके बाद आपकी स्किन मेकअप के लिए तैयार है।

दूसरा फेस पैक

इस दूसरे पैक को तैयार करने के लिए आपको केवल दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। इन चीजों में एलोवेरा और शहद शामिल है। फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा मिक्स करें। इसके बाद इसमें शहद डालकर दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स होने के बाद आपका ये फेस पैक तैयार है। अब इसे ब्रश की मदद से अपने चेहरे पर अप्लाई करें और कम से कम 15 मिनट ऐसे ही लगा रहने दें। 15 मिनट के बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा न सिर्फ टाइट हो जाएगा।

जानें हेयर रिमूवर क्रीम के पीछे छिपा कड़वा सच

जल्दबाजी में ज्यादातर लोग ऐसे हेयर रिमूवल क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं, जो बाजार में बेहद कम दाम में मिल जाती है। लेकिन इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं। इसलिए आपको जानना जरूरी है कि आप हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करने के दौरान क्या सावधानी बरतें।

हो सकता है स्किन बर्न

ज्यादातर हेयर रिमूवल क्रीमों में रसायन तत्व होते हैं, जोकि स्किन बर्न का कारण बन सकते हैं। खासतौर पर कैल्शियम थायोग्लाइकोलेट और पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड जैसे तत्वों से तो स्किन की ऊपरी परत जल जाती है, जिससे त्वचा पर छाले हो सकते हैं।

पिगमेंटेशन का रहता है खतरा

यदि आप अपनी स्किन टाइप के हिसाब से हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो आपकी त्वचो पर पिगमेंटेशन का खतरा बढ़ जाता है। पिगमेंटेशन में त्वचा पर डार्क पैच आ जाते हैं, जोकि देखने में अजीब लगते हैं। ये दिक्कत ज्यादातर अंडरआर्म्स में सामने आती है।

त्वचा होगी ड्राई

अगर आप बार-बार हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करते हैं तो आपको संभलने की जरूरत है। क्योंकि ज्यादा हेयर रिमूवल क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा का रूखापन काफी बढ़ जाता है, जिस कारण आपको परेशानी हो सकती है।

हो सकती है एलर्जी

जिन लोगों की त्वचा काफी संवेदनशील है, उनको तो इस हेयर रिमूवल क्रीमों के इस्तेमाल से दूर ही रहना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो एलर्जी की प्रतिक्रिया हो सकती है।

कार्नर न्यूज

शादी के माहौल में खरीदारी करें सोच समझकर

दुल्हन के लिए खरीदनी है आर्टिफिशियल ब्राइडल ज्वेलरी तो पहले कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करें

वैसे तो शादी का दिन लड़कियों के साथ-साथ लड़कों के लिए भी बेहद खास होता है, लेकिन अपने लुक को खास बनाने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत लड़कियां करती हैं। हर होने वाली दुल्हन अपने ब्राइडल लुक को महीनों पहले से प्लान करने लगती है। वो चाहती हैं कि उनका लहंगा, मेकअप और ज्वेलरी सब एकदम परफेक्ट हो। लहंगा और मेकअप तो लड़कियां काफी सोच-समय कर खरीदती हैं, लेकिन सही ज्वेलरी का चयन करना उनके लिए काफी मुश्किल हो जाता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि ब्राइडल गहने खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। यदि आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपका वेडिंग लुक सबसे कमाल का और खूबसूरत लगेगा।

आउटफिट के साथ मैच करें

ब्राइडल लुक को कंप्लीट करने के लिए यदि आप आर्टिफिशयल गहने खरीदने का प्लान कर रही हैं तो सबसे पहले लहंगा, साड़ी या ब्राइडल ड्रेस फाइनल करें। इसके बाद ही ज्वेलरी खरीदें। ये आउटफिट के हिसाब से ही होनी चाहिए। अगर मैच करानी है तो मैच कराइए, वरना आप कॉन्ट्रास्ट में भी इसे कैरी कर सकती है।

ब्लाउज की नेकलाइन के अनुसार देखें

गले का नेकपीस खरीद रही हैं तो पहले अपने ब्लाउज की नेकलाइन देखें। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्राइडल ब्लाउज काफी हैवी होता है। ऐसे में यदि उसके साथ सही ज्वेलरी का चयन आप नहीं करेंगी तो इससे आपका लुक ही पूरी तरह से खराब हो जाएगा। नेकलाइन और ज्वेलरी के बीच में गैप होना बेहद जरूरी है।

क्वालिटी अवश्य चेक करें

आपके ब्राइडल लुक में हर एक चीज परफेक्ट होनी चाहिए। ऐसे में पैसे बचाने के लिए खराब क्वालिटी की ज्वेलरी कतई न खरीदें। कई बार खराब क्वालिटी के गहनों से स्टोन अपने आप ही निकलने लगते हैं, जिससे आपका लुक खराब हो सकता है। स्टोन के साथ-साथ मटेरियल की फिनिशिंग, पॉलिश और वर्क को ध्यान से देखें।

लॉक होना चाहिए सही

ब्राइडल ज्वेलरी काफी हैवी होती है। इसलिए इसका लॉक अवश्य चेक कर लें। अगर इसका लॉक अच्छी क्वालिटी का नहीं हुआ और वो ज्वेलरी का वजन नहीं उठा पाया तो आपको शर्मिंदा होना पड़ सकता है। लास्ट मूमेंट पर आप ज्यादा कुछ कर भी नहीं पाएंगी।